ग्रामीण महिला विकास संस्थान

ग्रामीण महिला विकास संस्थान
ग्राम-बुबानी (अजमेर)

GMVS

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18

विकास की ओर बढ़ते कदम ...

GMVS

अनिता भदेल
राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार)
महिला एवं बाल विकास विभाग
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

6122, मंत्रालय भवन, प्रथम तल
शासन सचिवालय, जयपुर
फोन : 0141–2227622
E-mail : mwcd123@gmail.com

–: संदेश :–

मुझे प्रसन्नता का विषय है कि ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी वार्षिक कार्य प्रगति प्रतिवेदन 2017–18 का प्रकाशन किया जा रहा है।

महिलाओं का विकास हमारी मुख्य प्राथमिकता है। बालिका के जन्म से लेकर आत्मनिर्भर बनाने तक सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलम्बी बनाने के लिए हमने भामाशाह योजना में उसे परिवार का मुखिया बनाया है और महिला स्वयं सहायता समूह तथा कौशल विकास के माध्यम से उन्हें आर्थिक रूप से आत्म–निर्भर बनाने का प्रयास किया है। इसके अलावा विधवा, तलाकशुदा महिलाओं की सहायता के लिए भी अनेक योजनाएं चलाई जा रही है।

यह सराहनीय है कि संस्थान महिला स्वयं सहायता समूह, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ–साथ महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, जन चेतना, जल संरक्षण, किसान संवर्धन, बालश्रम उन्मूलन आदि क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

आशा है, वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन में महिलाओं के हित में विशेष सामग्री का प्रकाशन किया जायेगा। मुझे विश्वास है कि प्रतिवेदन अपने उद्देश्य में सफल होगा। मैं प्रकाशन की सार्थकता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

(अनिता भदेल)

वासुदेव देवनानी
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
प्राथमिक, माध्यमिक शिक्षा,
भाषा एवं पुस्तकालय विभाग,
ग्रामीण विकास एवं पंचायती
राज विभाग तथा इसके अधीनस्थ
प्राथमिक शिक्षा का स्वतंत्र प्रभार
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

कमरा नं. 6303, मंत्रालय भवन
शासन सचिवालय, जयपुर–302 005,
फोन : 0141–2227250 (कार्या.)
0141–2362672 (निवास)
ई मेल : mosrajeducation@gmail.com

अ.शा. पत्र क्रमांक : 337
जयपुर, दिनांक : 19.07.2018

–: संदेश :–

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी–अजमेर द्वारा वर्ष 2017–18 की गतिविधियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशित कराया जा रहा है।

संस्थान द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाओं के संचालन के साथ–साथ सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता लाने के लिए भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है जिससे संस्थान ने ख्याति अर्जित की है।

संस्थान द्वारा 2500 महिला स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास निःसंदेह सराहनीय है।

संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन के सफल प्रकाशन के लिये हार्दिक शुभकामनाएं।

शुभेच्छु

(वासुदेव देवनानी)

GMVS

सुरेश सिंह रावत
संसदीय सचिव,
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

6106, मंत्रालय भवन
शासन सचिवालय, जयपुर–302005,
फोन (कार्यालय) 0141–2385701
ई.पी.ए.बी. एक्सः 5153225–21255
मोबाईल नम्बर : 9414006464
E-mail : sureshrawat29@gmail.com

–: संदेश :–

अत्यन्त प्रसन्न्ता का विषय हैं कि ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी–अजमेर हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपना वार्षिक प्रतिवेदन 2017–18 प्रकाशित करने जा रहा हैं। संस्थान अपने संस्थापना वर्ष के पूर्व से समाज के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य की दृष्टि से विकास हेतु विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के तहत कार्यों में ग्रामीण क्षेत्रों में सच्ची समाजसेवा एवं तन, मन, धन एवं पूर्ण समर्पण की भावना से निःस्वार्थ रूप से विभिन्न कार्य करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के राष्ट्रीय लक्ष्य एवं उद्देश्य की प्राप्ति की दिशा में एक गैर सरकारी संगठन के रूप में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण सरंक्षण, जन चेतना एवं संरक्षण, महिला स्वयं सहायता समूह, किसान संवर्द्धन, महिला सशक्तिकरण, महिला साक्षरता, बाल श्रम उन्मूलन, जल, जंगल, जमीन, महिला स्वावलम्बन, किसान प्रोड्यूसर कम्पनी, ट्रक ड्राईवर एवं क्लीनर की आँखों की जाँच एवं चश्मा वितरण आदि क्षेत्रों में कार्य करते हुए लगातार सफलता के सोपान पर चढ़कर समाज में अपनी मजबूत एवं सकारात्मक उपस्थिति दर्ज करवाकर अपने दीर्घकालीन लक्ष्यों की प्राप्ति व विभिन्न योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन कर समाज के विकास तथा उत्थान में अग्रणी हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों का निर्माण कर विभिन्न आजीविका कार्यक्रमों से जोड़ा गया तथा आजीविका संवर्द्धन हेतु प्रशिक्षण तथा ऋण भी उपलब्ध करवाये जाते हैं।

वर्तमान परिवेश में कोई भी लक्ष्य निर्धारित करके उसकी प्राप्ति के लिए अनुशासित एवं मर्यादित आचरण करते हुये उसूलों पर चलकर लक्ष्य प्राप्ति का प्रयास करना कठिनतम हैं। लेकिन संस्थान को अपने उद्देश्य की प्राप्ति के क्रम में विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं का सहयोग तथा संस्थान की पूरी टीम के अथक प्रयासों के लिये कोटि–कोटि धन्यवाद।

आने वाले समय में संस्थान अपने कार्यक्षेत्र में विस्तार करते हुये नये आयाम स्थापित करें तथा इसी तरह मानव मात्र की सेवा करते हुए प्रगति पथ पर निरन्तर अग्रसर रहे। उक्त गतिविधियों के सफल संचालन के कारण संस्थान सचिव श्री शंकर सिंह रावत एवं संस्थान परिवार के बेहत्तर एवं सफल भविष्य की कामना करते हुए मैं हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं अर्पित करता हूँ।

(सुरेश सिंह रावत)

अध्यक्षीय सम्बोधन

मैं अपार खुशी के साथ यह वार्षिक प्रतिवेदन आप सभी प्रबद्धजनों के कर कमलों में समर्पित कर रहा हूँ जिसे ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रस्तुत कर रहा हैं।

महिलाओं का विकास हमारी मुख्य प्राथमिकता हैं। महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलम्बी बनाने के लिए संस्थान प्रयासरत हैं। संस्थान द्वारा इस हेतु महिलाओं को जोड़कर तथा एकजुट कर समूह बनाये गये तथा इन समूहों को महिला स्वयं सहायता समूह कहा गया। इन संगठित समूह की महिलाओं से क्लस्टर का गठन किया गया। इन क्लस्टरों को नया मंच प्रदान करने, आत्मनिर्भर बनाने तथा आत्मविश्वास पैदा करने की दृष्टि से एक पंजीकृत संरचना फैडरेशन बनाया गया जिसके माध्यम से महिलाओं को विभिन्न सुविधायें प्रदान कर सशक्त बनने का मंच प्रदान किया गया। विभिन्न प्रशिक्षणों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया तथा आजीविका हेतु बैंक से जोड़कर ऋण उपलब्ध करवाये गये जिससे लाखों महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्ग के लोगों को राहत मिली हैं।

संस्थान अपने लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनाबद्ध रूप से अग्रसर हैं। लगातार अपने कार्यक्षैत्र में विस्तार कर विकास में भागीदार बन रहें हैं। वर्तमान में संस्थान द्वारा राजस्थान के तीन जिलों अजमेर, चित्तौड़गढ़ तथा नागौर में विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा हैं। संस्थान अजमेर जिले की 5 पंचायत समितियों (श्रीनगर, सिलोरा, पीसांगन, केकड़ी तथा भिनाय) तथा चित्तौडगढ़ की 5 पंचायत समितियों (चित्तौडगढ़, निम्बाहेड़ा, कपासन, चन्देरिया तथा सावा) एवं नागौर जिले की 3 पंचायत समितियों (रियाँबड़ी, मेड़ता व परबतसर) में कार्य कर रहे हैं।

संस्थान को अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु संचालित विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का सफल संचालन करने के कारण हर वर्ष अनेकानेक राष्ट्रीय, राज्य तथा जिला स्तरीय पुरूस्कारों एवं प्रमाण पत्रों से सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों द्वारा सम्मानित किया जाता हैं। इस हेतु मैं संस्थान के कर्मठ, मेहनत, लगन, निष्ठापूर्वक तथा समर्पण पूर्ण भाव से लगे सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकत्ताओं का उनके सकारात्मक प्रयासों से समाज में होने वाले परिवर्तन हेतु उनका आभार प्रकट करता हूँ। साथ ही सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

अनिल कुमार माथुर

अध्यक्ष

निदेशक की कलम से .....

मैं ग्रामीण महिला विकास संस्थान एक स्वैच्छिक संगठन राजस्थान में पिछले 21 वर्षों से अपने मुख्य आयाम–स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन आदि क्षेत्रों में विभिन्न विकास योजनाओं एवं गतिविधियों का विभिन्न सहयोगी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर कार्य करते हुये अपनी मजबूत एवं सकारात्मक उपस्थिति दर्ज करवाने में सफलतापूर्वक और सोपान चढ़ने पर संस्थान से जुड़े प्रत्येक पदाधिकारी तथा कार्यकर्त्ता को मेरी तरफ से बहुत–बहुत बधाई तथा क्षेत्र का सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, जन चेतना एवं जल संरक्षण, किसान संर्वद्धन, महिला साक्षरता, बालश्रम उन्मूलन, कुपोषण, बेरोजगारी, वित्तिय जागरूकता, जल, जंगल और जमीन तथा महिला अधिकार के साथ–साथ विभिन्न सामाजिक समस्याएँ जैसे :– बाल विवाह, दहेज प्रथा, अंधविश्वास भेदभाव के दीर्घकालीन उद्देश्य की पूर्ति के लिये अल्पकालीन योजनाएँ बनाकर उनका सफल संचालन किया गया है।

संस्थान का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है। महिला सशक्तिकरण हेतु विभिन्न योजनायें बनाकर लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है। इससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है। महिलाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है और विभिन्न पारिवारिक घटनाओं में कमी हुयी है। महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ–साथ स्वास्थ्य जागरूकता में भी बढ़ोतरी हुयी है। संस्थान के द्वारा लगभग 1000 गाँवों में सेवायें प्रदान कर रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास एवं संस्थान के उद्देश्यों को प्राप्त करने में कार्यकर्त्ताओं की सम्पूर्ण मेहनत, लगन एवं निष्ठापूर्वक किया गया योगदान ही अनुकूल परिणाम दे रहा है जिससे संस्थान को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान मिली है। इस हेतु मैं संस्थान की रीढ माने जाने वाले संस्थान में कार्यरत कार्यकत्ताओं को उनके सकारात्मक प्रयासों हेतु उनका आभार व्यक्त करता हूँ तथा विभिन्न सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं के सहयोग एवं मार्गदर्शन हेतु कोटि–कोटि धन्यवाद।

संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का सफल संचालन का विस्तृत विवरण 2017–18 के वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में आप श्री के हाथों में हैं। मैं इस संस्थान एवं संस्थान के सभी कार्यकत्ताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शंकर सिंह रावत
निदेशक

ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS) कार्यक्षेत्र मानचित्र

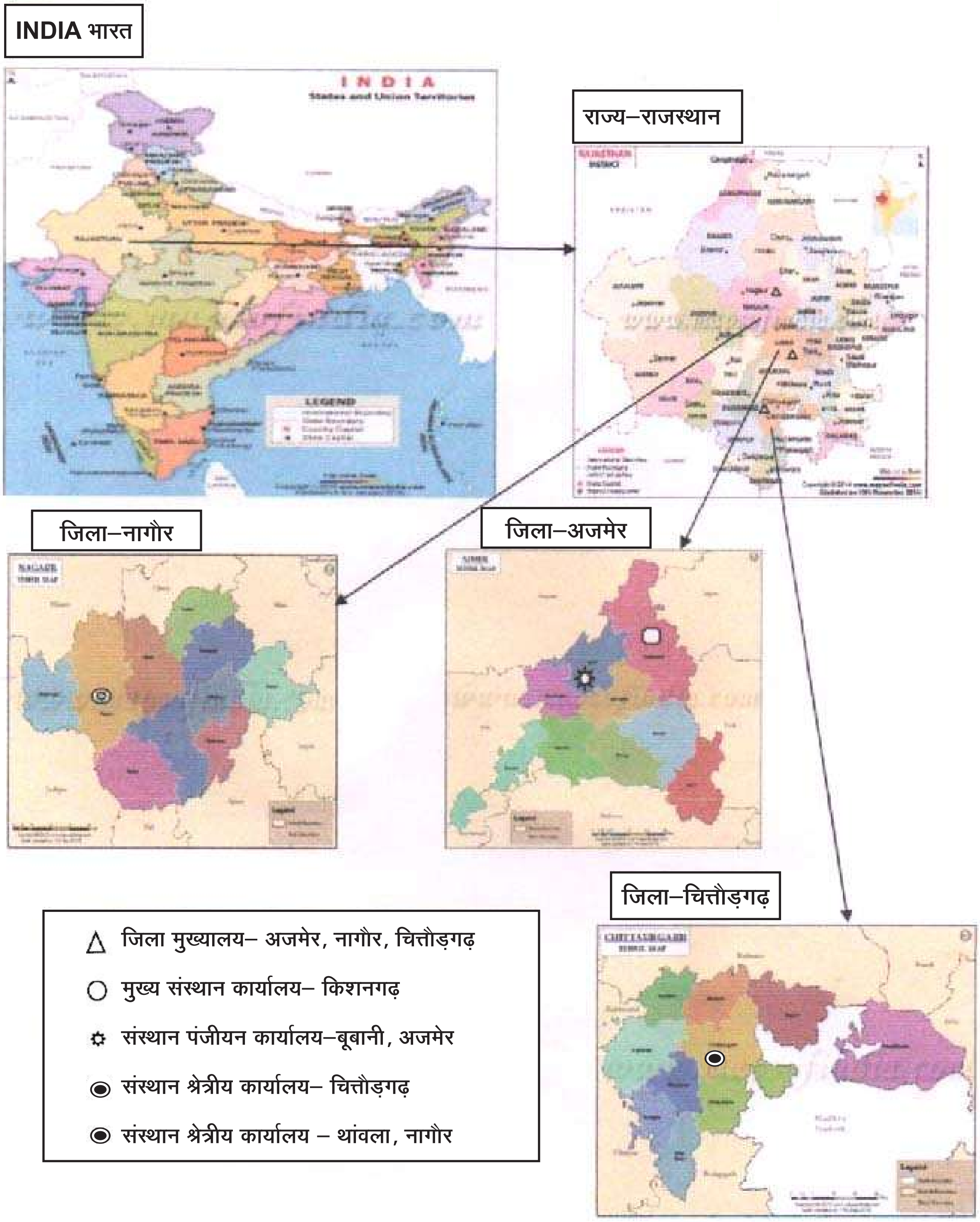

GMVS

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर (राजस्थान)
Gramin Mahila Vikas Sanstha-Bubani, Ajmer (Rajasthan)
वार्षिक प्रतिवेदन : वर्ष 2017–2018

पृष्ठभूमि

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी (अजमेर), राजस्थान संस्था पंजीकरण सोसायटी अधिनियम 1958 की धारा 28 के तहत एवं आयकर अधिनियम 1961 की धारा 12–ए व 80 जी के तहत FCRA एक्ट 1976 के अधीन पंजीकृत है।

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर मानव समाज विषयक उद्देश्य जिसमें ग्रामीण महिला विकास एवं उत्थान विशेष के लिये गठित स्वैच्छिक संगठन है, जो वृहद स्तर पर ग्रामीण समुदाय के साथ उनके सामाजिक सशक्तिकरण एवं आजीविका सवंर्द्धन के लिये कार्य कर रही है। संस्था विविध और व्यापक स्तर पर समस्या प्रदान मुद्दों जैसे–स्वास्थ्य, शिक्षा, बच्चों की देशभाल, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक मुद्दें, स्वरोजगार आदि पर 1998 से विविध कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। वर्तमान में संस्था राजस्थान के 03 जिलों अजमेर, चित्तौड़गढ, नागौर में विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर रही है। जिसमें अजमेर जिले की 05 पंचायत समितियाँ–श्रीनगर, सिलोरा, भिनाय, पिंसागन और केकड़ी एवं चित्तौड़गढ़ जिले की 05 पंचायत समितियाँ–चित्तौड़गढ़, निम्बाहेड़ा, कपासन, चंदेरिया, सावा एवं नागौर जिले की 03 पंचायत समितियाँ–रियांबड़ी, मेड़ता एवं परबतसर में कार्य कर रही है।

विज़न

ऐसे सशक्त समाज की स्थापना करना जो शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक एवं रोजगार दृष्टि से आत्मनिर्भर हो।

मिशन

मानवीय एवं प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग से पिछड़ें, अभावग्रस्त, गरीब समाज की महिलाओं को स्वयं सहायता समूह, क्लस्टर व फैडरेशन के माध्यम से आर्थिक व सामाजिक दृष्टि से सशक्त करना, ग्रामीण लोगों, वंचित वर्ग खास कर महिलाओं / बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, पेयजल व आजीविका के साधन सुनिश्चित करवाना।

संस्था के उद्देश्य :–

- समस्याग्रस्त गाँवों में स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था करने में गाँव वालों की मदद करना।
- ग्रामीण क्षेत्र में ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें अच्छा स्वास्थ्य बनाये रखने में मदद करना एवं मातृ–शिशु कल्याण कार्यक्रम को गाँव–गाँव तक पहुँचाना।
- कृषि एवं पशुपालन के लिए ग्रामीणों को आधुनिक जानकारी उपलब्ध कराकर उन्हें ज्यादा पैदावार एवं ज्यादा पशुपालन में उनकी समस्याओं को कम करने में मदद करना।
- महिला विकास में ग्रामीण महिलाओं की रूचि पैदा करना तथा महिला कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं के निराकरण के लिये महिला मण्डल एवं महिला गोष्ठियों का आयोजन करना।
- ग्रामीण दस्ताकारों को बढावा देने में सहयोग एवं रोजगार उपलब्ध कराना।
- निम्न आय वर्ग के लड़के लड़कियों को उचित शिक्षा दिलवानें की व्यवस्था करना।
- राजस्थान या राजस्थान के बाहर स्थित संस्थाओं जिनका उद्देश्य ग्रामीण महिला विकास संस्थान, बूबानी जैसा होगा उनसे सहयोग प्राप्त करना एवं गतिविधियों मे ंतालमेल बनाये रखना।
- पर्यावरण स्वच्छ रखने के लिए पेड़ पौधों की जागरूकता रखना।
- भूमी कटाव को रोकने हेतु मेड बन्दी।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देना।
- महिला व बाल विकास कार्यक्रम का संचालन व लोगों को जागरूक बनाये रखना।
- संस्था के उद्देश्यों एवं कार्यकलापों को प्रचारित करना, किताबों का मुद्रण एवं प्रकाशन तथा पुस्तकालयों की स्थापना करना।
- ग्रामीण दस्तकारी को बढ़ावा देने में सहयोग करना क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने हेतु खादी ग्रामोद्योग की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नियमानुसार. ऋण प्राप्त करना।
- संस्था के द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवायें प्रदान की जायेगी जैसे HIV AIDS जागरूकता, सामुदायिक स्तर पर आँखों की जाँच, माता व शिशु स्वास्थ्य पर क्षेत्र विशेष हेतु कार्यक्रम।
- क्षेत्र में अधिक संख्या में ट्रक ड्राईवर परिवारों के होने के कारण संस्था ट्रक ड्राईवर परिवारों के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा व आजीविका पर कार्य करेगी।
- इसके अतिरिक्त संस्था ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में सभी विकास के कार्य क्षेत्र की आवश्यकतानुसार करेगी।

- संस्था ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में तकनिकी प्रोत्साहन एवं कौशल विकास पर कार्य करेगी।
- संस्था महिलाओं की फैडरेशन को मजबूत करने एवं SHG बनाने व सशक्त करने का कार्य करेगी।
- संस्था द्वारा शिक्षा प्रसार हेतु शिक्षण कार्य कराया जावेगा एवं तकनिकी विज्ञान प्रशिक्षण की व्यवस्था कराई जायेगी।
- संस्था द्वारा प्राकृतिक सौन्दर्य एवं प्रदूषण दूर करने हेतु बंजर भूमि पर वृक्षारोपण का कार्य करने की व्यवस्था करेगी।
- महिला अधिकारों के प्रति सदस्यों को सजग करना एवं अधिकार प्राप्ति हेतु वातावरण का निर्माण करना एवं महिला सशक्तिकरण के द्वारा उनकी परिवार एवं समाज में बेहतर जगह बनाना।
- ऐसी गतिविधी करना जिससे गरीब महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों तथा उनके परिवार का सामाजिक व आर्थिक उत्थान हो सकें।
- महिलाओं की सामाजिक कार्यों में सहभागिता सुनिश्चित करना।
- संस्था आर्थिक रूप से गरीब छात्रों को अपने अध्ययन हेतु पुस्तकों एवं फीस आदि की निःशुल्क व्यवस्था करेगी।
- लघु वित्त उद्यमिता पर प्रशिक्षण व कौशल विकास का कार्य करना।

हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज, अजमेर (Hans Mobile Medical Services, Ajmer)

स्वस्थ रहना बेहत्तर जीवन व्यतीत करने के लिये अति आवश्यक है, लेकिन आज कि इस दौड़ भरी जिन्दगी में हमें स्वस्थ रहना सिर्फ सुन्दर दिखने को मान लिया है। शरीर तथा दिमाग दोनों से स्वस्थ रहना ही स्वास्थ्य में आता है। सिर्फ बीमारियों का न होना ही स्वस्थ नहीं कहलाता है बल्कि शरीर में विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों में कमी न होना, कार्य में रूचि होना, मन में सकारात्मकता का होना आदि भी स्वास्थ्य में आता है।

हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम का संचालन मई 2014 से द् हँस फाउण्डेशन–नई दिल्ली के वित्तिय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा उपरोक्त पक्तियों के परिपेक्ष में किया जा रहा है। कार्यक्रम के द्वारा अजमेर जिले की श्रीनगर पंचायत समिति के 12 गाँवों में स्वास्थ्य जाँच, दवाईयाँ तथा जागरूकता बैठकों की सुविधाएँ प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के कार्य क्षेत्र में गाँव है– गुवारड़ी, शाला की ढाणी, कालेड़ी, आखरी, गुदली, टण्टिया, लीरी का बाडिया, मानपुरा, सराना, हाथीपट्टा, मोहनपुरा तथा नारगाल है। कार्यक्रम के तहत इन गाँवों को चयनित करने का उद्देश्य गाँवों में किसी को भी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध नहीं है तथा ज्यादातर लोग मजदूर है तथा मजदूरी भी नियमित नहीं है।

कार्यक्रम के द्वारा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रदान करने हेतु एक एम्बूलेंस है जिसमें प्राथमिक उपचार के सभी उपकरण मौजूद है। यह एक चलता–फिरता छोटा अस्पताल है। टीम सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक गाँवों में इसी एम्बूलेंस के साथ स्वास्थ्य शिविर लगाती है। एक माह में एक गाँव में दो स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है। स्वास्थ्य शिविर में कार्यक्रम की पूरी टीम उपस्थित रहती है। परियोजना अधिकारी, डॉक्टर, नर्स, मेल नर्स, फॉर्मासिस्ट, स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता तथा ड्राईवर उपस्थित रहते है। स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य जाँच, दवाईयाँ, जागरूकता बैठक तथा घर भम्रण किया जाता है।

कार्यक्रम के द्वारा स्वास्थ्य शिविर के अतिरिक्त परियोजनाओं के स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता गाँव में भम्रण कर कई प्रकार की जानकारियाँ या सुविधाऐं प्रदान करता है। कार्यक्रम के स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता के द्वारा गर्भवती व धात्री महिलाओं का नियमित रूप से घर भम्रण, मरीजों का फोलोअप, टीकाकरण में आँगन बाड़ी टीम का सहयोग, मरीजों की काउन्सलिंग, परिवार नियोजन के साधन, मरीजों को रैफर, गाँव की स्वच्छता पर चर्चा, गाँव की समस्या पर बातचीत तथा निवारण, विभिन्न बीमारियों के बारे में जानकारी तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा उनसे जोड़ना आदि भी किया जाता है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के बारे में उचित जानकारी प्रदान की जाती है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा महिलाओं को उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाता है।

कार्यक्रम की टीम के द्वारा स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य जाँच के अतिरिक्त जागरूकता बैठकों का संचालन भी किया जाता है। इन जागरूकता बैठकों में विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ प्रदान की जाती है। गाँव की महिलाओं तथा विद्यालय में 6 से 8 कक्षा की बालिकाओं के साथ माह में एक बार जागरूकता बैठक का तथा रैली का आयोजन कर जागरूक किया जाता है। प्रत्येक गाँव में ग्राम स्तर पर एक ग्राम स्वास्थ्य कमेठी का गठन किया गया। इस कमेठी के सदस्य ग्रामवासी है और माह में एक बार जागरूकता बैठक का आयोजन कर गाँव में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है। परियोजना समन्वयक, नर्स तथा स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता की देखरेख में जागरूकता बैठकों तथा रैलियों का आयोजन किया जाता है।

परियोजना निर्देशक शंकर सिंह रावत द्वारा माह में 2 बार कार्यक्रम का अवलोकन किया जाता है। कार्यक्रम की गतिविधियों का मूल्याकंन किया जाता है। ग्रामवासियों से कार्यक्रम की सुविधाओं का फीडबेक लिया जाता है तथा इसे बेहत्तर बनाने के लिए सुझाव भी लिये जाते है। गाँव की समस्याओं को समझने के लिए VHC के सदस्यों से भी बातचीत की जाती है।

परियोजना का शुभारम्भ :–

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा पिछले 21 वर्षों से अजमेर जिले में विकासात्मक कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। संस्थान द्वारा गाँवों में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के अभाव को देखते हुए द् हँस फाउण्डेशन–नई दिल्ली को एक प्रोजेक्ट सौंपा गया। द् हँस फाउण्डेशन–नई दिल्ली के द्वारा मूल्याकंन के बाद संस्थान द्वारा यह परियोजना मई, 2014 से शुरू की गई। कार्यक्रम के उद्‌घाटन हेतु एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चयनित 12 गाँवों की महिलाओं एवं बच्चों को भी शामिल किया गया।

परियोजना का उद्‌घाटन समारोह 13 मई, 2014 को दांता में आयोजित किया गया। संस्थान सचिव द्वारा सभी का स्वागत कर कार्यक्रम की सुविधाओं की जानकारी देते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। गाँव तथा ग्रामवासियों पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा की। एम्बूलेंस को संसदीय सचिव सुरेश सिंह रावत द्वारा हरी झण्डी दिखाकर उद्‌घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ गिरिश माथुर, एस. वी. माथुर, डॉ शंकरलाल आसनानी, स्वामी शरण, नन्दकिशोर अरड़का, अब्दुल जलील, अनिल माथुर आदि भी शामिल हुए। कार्यक्रम के तहत परियोजना का कार्यालय दांता में स्थापित किया गया। सत्र 2015–16 में परियोजना का मुख्यालय दांता गांव से बूबानी गाँव में स्थापित किया गया। वर्तमान में परियोजना का कार्यालय गाँव बूबानी में है। यहाँ से टीम एम्बूलेंस के साथ सुबह 9 बजे रवाना होती है तथा दिनभर गाँव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर सायं 4 से 5 बजे के बीच बूबानी कार्यालय पर मरीजों की स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार किया जाता है। बूबानी मुख्यालय पर आस पास के कई गाँवों के मरीज उपचार हेतु आते है। कार्यक्षेत्र के मरीजों को भी बूबानी सेन्टर पर रेफर किया जाता है। जहाँ से जाँच करवाकर आगे का उपचार लेते है।

कार्यक्रम के उद्देश्यें :–

- महिलाओं के स्वयं के बेहत्तर स्वास्थ्य के लिए प्रेरित करना।
- महिलाओं तथा बच्चों को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवायें उपलब्ध कराना।
- गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की नियमित जाँच करना तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना।
- महिलाओं को प्रसव पूर्व, सुरक्षित प्रसव तथा प्रसव पश्चात् देखभाल को समझाकर स्वस्थ रहने के लिये प्रेरित करना।
- महिलाओं को संस्थागत प्रसवों के तहत मिलने वाले लाभ जैसे :– 104 व 108 सेवायें, जननी मातृ व शिशु योजना तथा मुख्यमंत्री राज श्री योजना के द्वारा प्रेरित करना।
- देखभाल, पोषाहार तथा संस्थागत प्रसव के लिये प्रेरित कर मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर को कम करना।
- बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओं हेतु जागरूक कर सशक्त बालिका की पहचान बढ़ाना।
- महिलाओं और शिशु के सम्पूर्ण टीकाकरण के महत्व को बताते हुये प्रेरित करना तथा टीकाकरण में बढ़ोतरी करना।
- स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं को आमजन तक नियमित रूप से पहुँचाना तथा किसी को उनके हक से वंचित न रखना।
- नियमित स्वास्थ्य जाँच के अतिरिक्त लाभार्थियों को स्वच्छता, स्वच्छ वातावरण, पोषाहार, आँखों की देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, मादक द्रव्यों का सेवन कम करने हेतु परामर्श, विभिन्न बीमारियों की विस्तृत जानकारी आदि की काउन्सलिंग करना।
- विभिन्न बिमारियों की जाँच व उपचार के साथ–साथ ग्रामवासियों को बिमारियों के कारण, लक्षण, उपचार तथा रोकथाम के प्रति जागरूक करना।
- ग्रामवासियों को उनकी स्वास्थ्य आवश्यकतओं तथा उनके हक के प्रति जागरूक करने हेतु उनकी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी को प्रेरित करने का कदम उठाना।
- बालिका जीवितता एवं सुरक्षित मातृत्व से जुड़े मुद्दें पोषाहार एवं स्वास्थ्य के बारे में महिला एवं समुदाय में जागरूकता को बढ़ाना।
- वर्षभर के विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों को महिला, बालिका तथा ग्राम स्वास्थ्य कमेटी के साथ जागरूकता बैठक तथा रैली का आयोजन कर विभिन्न प्रकार की जानकारियाँ प्रदान करना।

रणनीतियाँ :–

- कार्यक्रम की शुरूआत में गाँवों के प्रत्येक घर का सर्वे किया तथा कार्यक्रम की जानकारी दी गयी।
- बालिका स्वास्थ्य कार्यकत्ताओं द्वारा घर–घर जाकर हँस की गाड़ी गाँव में भ्रमण की दिनांक व स्थान सुनिश्चित करना।
- एम्बूलेंस का टीम सहित गाँव में समय पर पहुँच कर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना।
- धात्री महिलाओं को उनके घर जाकर विजिट कर फॉलोअप करना तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दों पर चर्चा करना।

- स्वास्थ्य शिविर पर आये मरीजों का उचित उपचार तथा आवश्यक सलाह देना।
- महिला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को एक स्थान पर एकत्रित कर जागरूकता बैठकों का आयोजन करना।
- गाँव के उच्च माध्यमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं का एक समूह बनाकर जागरूकता रैली तथा बैठक आयोजित करना।
- गाँव स्तर पर निर्मित ग्राम स्वास्थ्य कमेटी के सदस्यों के साथ जागरूकता बैठकों का आयोजन करना।
- महिला जागरूकता बैठकों में विभिन्न मुद्दें जैसे स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दें, स्वच्छ आदतें, टीकाकरण, विटामिन ए, पोषाहार, स्वच्छता, शारीरिक देखभाल, आँखों की देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य, सबस्टेज एब्यूज, संस्थागत प्रसव, प्रसव पूर्व, सुरक्षित प्रसव, प्रसव बाद देखभाल, विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा सामाजिक कुरीतियों जैसे :– दहेज प्रथा, बाल विवाह, शराब, नशाखोरी, अंधविश्वास, भेदभाव आदि पर जागरूकता व काउन्सलिंग सेवायें प्रदान करना।
- प्रत्येक माह एक अन्तर्राष्ट्रीय या राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन करना।
- गम्भीर गर्भवती महिलाओं को चिन्हित करना एवं बच्चों तथा महिलाओं को नजदीकी अस्पताल पी.एच.सी. या सी.एच.सी. या सब–सेन्टर पर रैफर करना।
- स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा गांव में होम विजीट कर मरीजों का फॉलोअप करना तथा कार्यक्रम के डॉक्टर के साथ सम्पर्क कर उचित सलाह देना।
- परियोजना अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता के साथ गाँव में भ्रमण करना तथा गर्भवती, धात्री महिलाओं तथा ग्रामवासियों से वार्तालाप कर कार्यक्रम की समीक्षा करना तथा मॉनिटरिंग व मूल्यांकन करना तथा टीम सहयोग प्रदान करना।
- टीकाकरण के दिन आँगन बाड़ी केन्द्र पर जाना तथा गाँव की गर्भवतियों तथा महिलाओं को टीकाकरण के प्रति जागरूक कर टीकाकरण में सहयोग करना

गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ :–

स्वास्थ्य शिविर :– हँस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम का संचालन अजमेर जिले की श्रीनगर पंचायत समिति के 12 गाँवों में किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर स्वास्थ्य जाँच एवं चिकित्सा सुविधायें सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के द्वारा विशेष तौर पर महिलाओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य सुविधायें प्रदान करती है। कार्यक्रम के तहत एक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता प्रत्येक गाँव में नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता गाँव में भ्रमण कर ग्रामवासियों को स्वास्थ्य शिविर, महिलाओं की स्वास्थ्य जानकारी तथा विभिन्न स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारियाँ प्रदान करता है। स्वास्थ्य शिविर के दिन, एम्बूलेंस के पहुँचने से पहले स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा पूरे गाँव में भ्रमण कर स्वास्थ्य शिविर तथा जागरूकता बैठक की सूचना दी जाती है। एम्बूलेंस टीम के साथ गाँव में पहुँचकर हॉर्न लगाती है और ग्रामवासियों को सूचना मिल जाती है।

कार्यक्रम का स्टेशनरी हेल्थ सेन्टर बूबानी में स्थापित है जहाँ से कार्यक्रम का संचालन किया जाता है। बूबानी से प्रातः 9 बजे एम्बूलेंस गाँव में स्वास्थ्य शिविर लगाने के लिए रवाना होती है। 10 बजे से शाम 3 बजे तक गाँवों में स्वास्थ्य शिविर लगाया जाता है। स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य जाँच कर दवाईयाँ दी जाती है तथा आवश्यक सलाह दी जाती है। आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को रैफर किया जाता है। परियोजना समन्यवक तथा नर्स द्वारा महिलाओं, बालिकाओं तथा ग्राम स्वास्थ्य कमेठी के सदस्यों के साथ जागरूकता बैठक तथा रैली का आयोजन किया जाता है। टीम के द्वारा धात्री महिलाओं के घर जाकर जाँच मातृ एवं शिशु की स्वास्थ्य जाँच की जाती है। टीम के द्वारा धात्री महिलाओं के घर जाकर जाँच मातृ एवं शिशु की स्वास्थ्य जाँच की जाती है। महिलाओं को विभिन्न प्रकार की जानकारी जैसे–स्वास्थ्य देखभाल एवं स्वच्छता, शिशु देखभाल, स्तनपान, जन्म प्रमाण पत्र तथा टीकाकरण आदि के बारे में जागरूक किया जाता है। यदि किसी धात्री महिला को कोई समस्या होती है तो उपचार भी किया जाता है। ज्यादा गम्भीर समस्या होने पर श्रीनगर, अजमेर तथा किशनगढ़ रैफर भी किया जाता है।

टीम के द्वारा प्रत्येक मरीज का पूरा रिकॉर्ड **OPD** रजिस्टर में रखा जाता है। उसी रिकॉर्ड के आधार पर मासिक रिर्पोट बनायी जाती है। गर्भवती, धात्री महिला का रिकॉर्ड अलग से रखा जाता है। उनकी प्रत्येक विजिट में वजन, बी.पी. जाँच, सोनोग्राफी आदि की जाँच की जाती है। प्रत्येक रिकॉर्ड का मूल्याकंन किया जाता है। प्रत्येक विजिट में संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाता है। 104 व 108 की सुविधाओं की जानकारियाँ दी जाती है। बच्चा होने पर टीम द्वारा धात्री महिला के घर **PNC** विजिट की जाती है। महिला को स्वयं तथा अपने बच्चे की देखभाल की प्रक्रिया तथा सावधानियों के प्रति जागरूक किया जाता है। बच्चे को नहलाना, मालिश, स्तनपान से लेकर सम्पूर्ण टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जाता हैं। माँ को स्वयं के आहार के प्रति जागरूक किया जाता है।

परियोजना द्वारा अब तक वर्षानुसार निम्न मरीजों की स्वास्थ्य जाँच कर चिकित्सा उपचार किया गया।

क्र.सं.	वर्ष	महिला	पुरूष	बच्चे	कुल
1	2014–15	9148	5789	2443	17380
2	2015–16	12563	1817	4182	18562
3	2016–17	11543	2179	3853	17575
4	2017–18	11879	1259	3598	16736
	कुल	45133	11044	14076	70253

इसमें महिलाओं और बच्चों से सम्बन्धित सभी प्रकार की बिमारियों का उपचार किया गया। कई बार उपचार से आराम नहीं मिलने पर या गंभीर परिस्थिति होने पर या जाँच हेतु मरीजों को किशनगढ़, श्रीनगर तथा अजमेर के अस्पतालों में रैफर भी किया जाता है।

कार्यक्रम परियोजना के स्वास्थ्य शिविर में डॉ. द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य जाँच कर उपचार दिया जाता है और नर्स द्वारा दवा लेने का तरीका भी बताया जाता है। मरीज की बिमारी के अनुसार ही दवा दी जाती है और उपचार चलने का समय निर्धारित होता है। मरिजों को 5–15 दिन का उपचार दिया जाता है। बी. पी., अस्थमा जैसी बिमारियों का ईलाज लगातार चलता है। उन्हें 15 दिन का उपचार दिया जाता है। सफेद पानी, एनेमिया जैसी बीमारियों का ईलाज 3–4 महिने तक चलता है। परियोजना टीम द्वारा लगातार गाँव में भ्रमण कर ग्रामवासियों से सम्पर्क किया जाता है। गाँव में महिलायें गर्भवती होने पर टीम के पास जाँच हेतु आती है और पॉजीटीव होने पर लगातार उपचार दिलवाया जाता है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा निरन्तर सम्पर्क बनाकर लगातार उपचार दिलवाया जाता है। उसके वजन, बी.पी., दैनिक दिनचर्या, कामकाज, खून की जाँच तथा आँगन बाड़ी केन्द्र पर लगातार सम्पर्क आदि का पूर्ण रिकॉर्ड स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा रखा जाता है तथा समय–समय पर संस्थागत प्रसव हेतु प्रेरित भी किया जाता है। गर्भवती महिलायें स्वास्थ्य शिविर में पहुँचकर नियमित जाँच का मूल्याकंन एवं दवाईयाँ प्राप्त करती है।

गर्भवती एवं धात्री महिला उपचार :– परियोजना के तहत गाँव स्तर पर एक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता नियुक्त किया गया है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा महिलाओं से सम्पर्क कर गर्भवती महिला की सूचना टीम को दी जाती है और गर्भवती महिला को विजिट हेतु प्रेरित किया जाता है। गर्भवती महिला के प्रथम बार स्वास्थ्य शिविर में पहुँचने पर उसका रजिस्ट्रेशन किया जाता है। उसके बाद लगातार शिविर में पहुँचकर स्वास्थ्य जाँच करवाने के लिए प्रेरित किया जाता है। टीम द्वारा रजिस्टर्ड गर्भवती महिलाओं की जाँच की बारम्बारता अलग–अलग रिकॉर्ड की जाती है। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा गृह भ्रमण कर उन्हें पोषाहार स्वच्छता, दैनिक दिनचर्या, आराम, जननी सुरक्षा योजना तथा खून की जाँच आदि के लिए प्रेरित किया जाता है।

कार्यक्रम का उद्देश्य गाँवों में ग्रामवासियों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुँचाना है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं तथा बच्चों को लाभान्वित करना हैं। महिलाओं में मुख्यतया गर्भवती तथा धात्री महिलाओं पर ध्यान केन्द्रित करना है। परियोजना के द्वारा लगातार गर्भवती एवं धात्री महिलाओं से सम्पर्क कर उपचार किया जाता हैं। परियोजना के द्वारा इस वर्षभर में 330 गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण किया गया। इन पंजीकृत गर्भवती महिलाओं को बच्चा होने तक स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार की सुविधा प्रदान की जाती है। टीम द्वारा 330 पंजीकृत महिलाओं का 2265 बार स्वास्थ्य जाँच एवं उपचार किया गया। गर्भवती महिला को संस्थागत प्रसव हेतु लगातार प्रेरित किया जाता हैं।

प्रसव होने पर टीम द्वारा महिला के घर मातृ एवं शिशु देखभाल हेतु भ्रमण किया जाता हैं। बच्चे एवं माँ को बच्चे को सम्पूर्ण टीकाकरण, स्तनपान, स्वच्छता, पोषाहार तथ जन्म प्रमाण पत्र के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जाती हैं। इस वर्ष में टीम द्वारा 257 धात्री महिलाओं का उपचार एवं परामर्श किया गया। विभिन्न जागरूकता बैठकों तथा रैलीयों के माध्यम से गाँवों की महिलाओं को ग्राम स्तर पर जागरूक किया जाता है और स्वास्थ्य देखभाल हेतु प्रेरित किया जाता है।

टीकाकरण :– टीकाकरण बच्चों के बेहत्तर भविष्य होने की पहल हैं। टीकाकरण के द्वारा बच्चों को सात बिमारियाँ जैसे :– क्षय रोग, डिप्थीरिया, काली खाँसी, खसरा, टिटनेस, हेपेटाइटिस बी तथा चिकन पॉक्स आदि से बचाते है। इसके साथ बच्चों को पोलिया की दवा भी पिलाई जाती है। यह सब टीकाकरण सरकार द्वारा संचालित आँगन बाड़ी केन्द्र पर निःशुल्क किया जाता हैं। परियोजना की टीम द्वारा आँगनबाड़ी केन्द्र पर मनोनित कार्यकर्त्ताओं का सहयोग कर सम्पूर्ण टीकाकरण को सफल बनाया जाता है।

स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा गाँव में भम्रण कर ग्रामवासियों को टीकाकरण की सूचना प्रदान की जाती है तथा टीकाकरण के दिन आँगनबाड़ी केन्द्र पर जाकर टीकाकरण में सहयोग किया जाता है। टीकाकरण के दिन गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों को टीके लगाये जाते है। जिसका रिकॉर्ड स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता तथा आँगनबाड़ी कार्यकर्त्ता द्वारा रखा जाता है।

इस वर्ष में टीम के सहयोग से 149 बी.सी.जी., 194 पेन्टा प्रथम, 211 पेन्टा द्वितीय, 221 पेन्टा तृतीय, 221 IPV, 235 खसरा, 173 डी.पी.टी. बूस्टर प्रथम, 170 डी.पी.टी बूस्टर द्वितीय तथा 256 टीटी लगाये गये। टीम द्वारा गाँव के अनुसार रिकॉर्ड एकत्रित किया जाता है तथा मासिक रिर्पोट में दर्ज कर संस्थान को प्रदान किया जाता है।

टीम द्वारा उन महिलाओं के घर भ्रमण कर टीकाकरण हेतु प्रेरित किया जाता है, जो टीके नहीं लगवाते हैं, उन्हें टीकाकरण हेतु प्रेरित कर टीकाकरण करवाया जाता है। टीम द्वारा विश्व टीकाकरण दिवस भी मनाया जाता हैं। दिवस पर जागरूकता बैठकों तथा रैली का आयोजन किया जाता हैं। इन बैठकों तथा रैलियों के माध्यम से ग्रामवासियों को सम्पूर्ण टीकाकरण का महत्व तथा उपयोगिता बताकर सम्पूर्ण टीकाकरण करवाया जाता हैं। टीकाकरण करवाने हेतु काउन्सलिंग भी की जाती हैं। महिलाओं को टीकाकरण चार्ट समझाया जाता हैं। टीम के सहयोग से इस वर्ष में कुल 1677 टीकाकरण किया गया।

मातृ मृत्यु दर/शिशु मृत्यु दर :– यह एक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा प्रदत्त कार्यक्रम हैं। कार्यक्रम के विभिन्न आयाम है जिनका उद्देश्य ग्रामवासियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर को कम करना हैं। टीम द्वारा जागरूकता बैठकों के माध्यम से स्वास्थ्य सम्बन्धी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती हैं। महिलाओं को छोटा परिवार, सुखी परिवार के लिए प्रेरित किया जाता है। गर्भावस्था में पोषाहार तथा दैनिक दिनचर्या में परिवर्तन के साथ–साथ उपचार लेने की सलाह दी जाती है ताकि मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सकें। शिशु मृत्यु दर को कम करने के जागरूकता बैठकों में महिलाओं को संस्थागत प्रसव, सम्पूर्ण टीकाकरण, स्तनपान का तरीका तथा पोषाहार आदि के प्रति जागरूक किया जाता हैं।

टीम द्वारा 12 गाँवों में स्वास्थ्य शिविर आयोजन करने का कार्य किया जाता हैं। वर्ष भर में 12 गाँवों में 1 मृत्यु दर हुई हैं। 257 जन्मे बच्चों में से 12 बच्चों की मृत्यु हुई हैं। संस्थान द्वारा जागरूकता कार्यक्रमों, बैठकों तथा रैलीयों के कारण संस्थागत प्रसवों में बढ़ोतरी तथा मातृ मृत्यु दर/शिशु मृत्यु दर में कमी आयी हैं।

संस्थागत प्रसव :– परियोजना द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर स्वास्थ्य जाँच एवं चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। इसके साथ ही जागरूकता बैठकों तथा रैलीयों का आयोजन भी किया जाता है। स्वास्थ्य टीम द्वारा महिलाओं के घर भम्रण कर तथा जागरूकता बैठकों तथा गर्भवती महिला द्वारा स्वास्थ्य शिविर भ्रमण करने पर संस्थागत प्रसव, 104 तथा 108 की सुविधायें तथा जननी सुरक्षा योजना आदि की जानकारी दी जाती है तथा संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाता है। परियोजना के इस सत्र में 12 गाँवों में कुल 238 प्रसव हुये है जिसमें से 181 प्रसव सरकारी संस्थानों, 55 प्रसव प्राइवेट संस्थानों में तथा 2 प्रसव घर पर हुये है। संस्थान के जागरूकता अभियान के द्वारा संस्थागत प्रसव में बढ़ोतरी हुयी हैं।

जागरूकता :– हंस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं के अतिरिक्त जागरूकता बैठकों तथा रैलियों का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम के द्वारा 12 राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों पर जागरूकता बैठकों तथा रैलियों का आयोजन किया जाता है। टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन महिलाओं, बालिकाओं तथा ग्राम स्वास्थ्य कमेटी के सदस्यों के साथ किया जाता है। माह में एक बार जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। परियोजना के द्वारा महिलाओं के साथ 147, किशोरी बालिकाओं के साथ 71 तथा ग्राम स्वास्थ्य कमेटी के साथ 144 जागरूकता बैठकों तथा रैलियों का आयोजन किया गया। HMMS टीम द्वारा महिलाओं 2198, किशोरी बालिकाओं 1112 तथा ग्राम स्वास्थ्य कमेटी के 1336 सदस्यों को जागरूक किया गया।

सहयोगी संस्थाएँ :– HLL Life Care Limited के द्वारा संस्थान के हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम को सहयोग प्रदान किया जा रहा हैं। **HLL Life Care Limited**, संस्थान को सस्ती दरों पर सेनेटरी नेपकिन प्रदान करती हैं। **HMMS** कार्यक्रम की टीम गाँवों में सस्ती दरों पर सेनेटरी नेपकिन वितरित करती हैं। टीम के द्वारा जागरूकता बैठकों में महिलाओं और बालिकाओं को सेनेटरी नेपकिन के फायदों के प्रति जागरूक किया जाता हैं। संस्थान द्वारा वर्ष 2017–18 में कार्यक्रम के कार्यक्षेत्र में 1138 सेनेटरी नेपकिन वितरित किये गये।

व्यक्तिगत विवरण (Case Study)

गीता देवी 62 वर्षीय बुजुर्ग महिला गाँव नारगाल, पंचायत समिति श्रीनगर की रहने वाली है। गीतादेवी का पति चंदनसिंह रावत है और वह कृषि तथा पशुपालन कार्य करता हैं। उनके 2 बेटे तथा 5 बेटियाँ हैं। उनके 1 बेटे तथा 4 बेटियों की शादी हो गई है। बड़ा बेटा रंगलाल तथा पुत्रवधु शीला हैं। रंगलाल ट्रक चालक है उनके बेटे कानाम योगेश तथा बेटी का नाम मुस्कान है। शीला गृहणी है गीता देवी के छोटे बेटा तथा बेटी पढ़ाई करते है।

हंस मोबाईल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम का संचालन गांव नारगाल में अप्रैल, 2016 से किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत गांव का सर्वे किया गया तथा कार्यक्रम की गतिविधियों तथा सुविधाओं की जानकारी दी गयी । इसी दौरान गीता देवी को कार्यक्रम की जानकारी हुयी तथा अपने पूरे परिवार की विभिन्न बिमारियों का ईलाज कार्यक्रम के स्वास्थ्य शिविर में करवाने लगी। गीता देवी कार्यक्रम के तहत ग्राम स्तर पर गठित ग्राम स्वास्थ्य कमेटी की भी सदस्य है तथा प्रत्येक मासिक जागरूकता बैठक में उपस्थित होती है।

कार्यक्रम के तहत एक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता प्रत्येक गांव में नियुक्त किया गया है। गांव नारगाल में स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता सविता सोभानी द्वारा घर भ्रमण कर स्वास्थ्य शिविर से पूर्व जानकारी दी गयी। टीम के द्वारा माह में दो बार एक गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है।

माह 14 अप्रैल 2018 को टीम के द्वारा प्रथम स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। गीता देवी स्वास्थ्य शिविर में पहुँची तथा डॉ. अब्दुल मलिक को बताया कि खाना खाते ही पेट में जलन, खट्टी डकारे तथा सिर में दर्द शुरू हो जाती है। इसके साथ सर्दी जुकाम भी हो रहा हैं। डॉ. अब्दुल मलिक ने आश्वासित किया कि आप समय पर दवा तथा खाने–पीने का परहेज रखोगी तो बहुत जल्द ठीक हो जाओगी। गीता देवी ने नर्स कंचन पारीक से दवा प्राप्त की। डॉ. ने सलाह दी कि ज्यादा से ज्यादा पानी पीने, कम मिर्ची–तेल खाने की सलाह दी गयी। सुबह उठकर गुनगुना पानी पीने की सलाह दी गयी। बासी खाने की सलाह दी गयी। समय पर खाना न खाने की वजह से यह सब हो रहा है।

गीता देवी को 15 दिन का उपचार दिया गया। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा घर भ्रमण कर गीता देवी की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी प्राप्त की गयी। गीता देवी ने बताया कि पहले से काफी राहत हैं। स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता द्वारा लगातार उपचार लेने की सलाह दी गयी। गीतादेवी द्वारा 15 दिन बाद अगामी शिविर में पहुँचकर बताया कि पहले से काफी राहत हैं। डॉ. से जाँच करवा उपचार प्राप्त किया तथा लगातार दवा ली।

आगामी स्वास्थ्य शिविर में गीता देवी आयी तथा टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि मैं अब बिल्कुल ठीक हो गयी हूँ। इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करती हूँ। मैं अभी भी खाने पीने में परहेज करती हूँ और लगातार स्वास्थ्य का ध्यान भी रखती हूँ।

मिनाक्षी मिशन हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
(Meenakshi Mission Hospital and Research Center)

हंस मोबाइल मेडिकल सर्विसेज कार्यक्रम का संचालन ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा द् हंस फाउण्डेशन–नई दिल्ली के वित्तिय सहयोग से मई, 2014 से किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य शिविर एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता हैं। स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य जाँच, दवाइयाँ, काउसेलिंग तथा रेफर आदि सेवायें प्रदान की जाती है।

संस्थान के इस कार्यक्रम के साथ ''मिनाक्षी मिशन हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर'' का सहयोग प्राप्त हुआ। मिनाक्षी फाउण्डेशन के द्वारा महिला और बच्चों के लिए निःशुल्क दवाईयाँ प्रदान की गयी।

महिलाओं में गर्भवती महिला तथा धात्री माताओं व कमजोर महिलाओं के लिए मल्टीविटामिन दवा प्रदान की गयी। यह 6 माह का कोर्स होता हैं जो एक महिला को पूरा करना होता हैं। **HMMS** टीम के द्वारा सभी पंजीकृत गर्भवती महिला एवं धात्री माताओं को यह दवा दी जाती है। इसके बाद लगातार मूल्यांकन कर स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की जाती हैं। टीम के द्वारा महिलाओं को पूरा कोर्स लेने के लिए प्रेरित किया जाता हैं। 429 महिलाओं को इस दवा का वितरण 2017–18 में **HMMS** टीम के द्वारा किया गया।

इसके अलावा बच्चों के लिए कृमिनाशक दवा तथा विटामिन ए की दवा भी मिनाक्षी मिशन हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर द्वारा प्रदान की जाती हैं। संस्थान के **HMMS** कार्यक्रम की टीम कार्यक्रम के 12 गाँवों के 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों को कृमिनाशक दवा तथा विटामिन ए की दवा पिलायी जाती हैं। कृमिनाशक दवा बच्चों के पेट के कीड़े मारने के लिए प्रत्येक 6 माह से दी जाती हैं। विटामिन ए की दवा रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा आँखों की रोशनी आदि में लाभदायक होती है। टीम के द्वारा 208 बच्चों को विटामिन ए तथा कृमिनाशक दवा की खुराक पिलायी गयी।

महिला स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम
(Women Self Help Group Programme)

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तिय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा लगातार 16 वर्षों से स्वयं सहायता समूह गठन व संचालन किया जा रहा है। महिला समूहों का गठन करके महिलाओं को संगठित किया जाता है और उनको समूह स्तर पर बचत करना सिखाया जाता है ताकि महिलाओं में आत्मशक्ति उत्पन्न हो सकें। जब महिलाओं में निरन्तर समूह में बचत करने की आदत हो जाने के बाद महिला समूहो को बैंक से जोड़ा जाता है ताकि महिलाओं को बैंक से लेन देन करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हो सके। महिला स्वयं सहायता समूह के गठन के छःमाह बाद समूह बैंक से लोन लेने के लिए बैंक में एप्लाई करते है। समूह को शुरूआत में एक महिला को 11000 / – रू. का बैंक लोन से शुरूआत होती है। फिर यह बैंक लोन बढ़कर 50000 / – तक एक महिला को बैंक से लोन मिलता है। जब नाबार्ड ने संस्थान के साथ महिला स्वयं सहायता समूह के गठन की परियोजना शुरू की तब समूह गठन तो हो जाते थे लेकिन बैंक लोन देने को तैयार नहीं होता था। लेकिन संस्थान स्थानीय बैंको के साथ बहुत अच्छे से तालमेल बिठाकर **100%** समूहों को बैंक से लोन दिलवाने में सफल होती है।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तिय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर सन् 2004 से अब तक 2250 महिला स्वयं सहायता समूह गठन व संचालन की परियोजना को संचालित कर चुकी है। अजमेर जिले में वर्तमान में 1400 महिला स्वयं सहायता समूह गठन परियोजना संचालित की जा रही है और नागौर जिले में में 600 महिला स्वयं सहायता समूह गठन व संचालन परियोजना का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। नाबार्ड के द्वारा संस्थान को 2000 महिला स्वयं सहायता समूह गठन परियोजना का संचालन परियोजना के लगभग 22 हजार महिलाओं को जागरूक करने का कार्य संस्थान कर रही हैं। जागरूकता के साथ–साथ सामजिक व आर्थिक विकास के लिए समूहों को बैंको से जोड़ा जा रहा है और बैंक लोन दिलाकर महिलाओं को रोजगार प्रदान किया जा रहा है। ज्यादातर महिला स्वयं सहायता समूह बकरीपालन व खेती कार्य करती है और कुछ महिलायें फैन्सी स्टोर, किराणा स्टोर, कपड़े व सब्जी की दुकानें लगाकर आमदनी को बढा रही है। इस प्रकार महिलायें स्वयं सहायता समूह से जुड़कर स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्राप्त कर स्वच्छता पर ध्यान दे रही है। साथ ही समूह के माध्यम से ग्राम पंचायत व अन्य सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के सम्पर्क में आने से समाजिक विकास में भी महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। नाबार्ड का मुख्य उद्देश्य समूह गठन करने का था, संस्थान उसी उद्देश्य के अनुरूप कार्य कर रही है। संस्थान **ICICI** बैंक के साथ जुड़कर महिला स्वयं सहायता समूहों को बैंक लोन दिलवा रही है। **ICICI** बैंक हर माह संस्थान के समूहों को लगभग 2 करोड़ रूपये लोन देती है और **GMVS** के समूहों की **100%** रिकवरी है जो स्वयं सहायता समूह की गुणवत्ता का मूल कारण है।

उद्देश्यें :

* अलग–अलग महिलाओं को एक समूह में संगठित करना।
* महिलाओं को समूह के माध्यम से बैंक से जुड़ाव करना।
* महिलाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक करना।
* सरकारी व गैर सरकारी संगठनों से जुड़ाव करना
* बाल विवाह व कन्या भ्रूण हत्या को रोकना।
* ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को रोजगार से जोड़ना।
* महिलाओं को जागरूक करना
* महिलाओं के हुनर को निखारना।
* स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाना।
* बैंको से ऋण की पूर्ति करना।
* प्रशिक्षणों के माध्यम से क्षमतावर्धन करना।
* शिक्षित करना
* महिलाओं द्वारा बनाये गये उत्पाद को उचित दामों में बाजार में बेचना।

रणनीति :–

* महिलाओं को जागरूक करके सरकारी व गैर सरकारी गतिविधियों में ज्यादा सहभागी बनाना।
* क्षेत्र, गाँव व महिलाओं का चयन करके समूह गठन करना।
* महिलाओं की आवश्यकता पढ़ने पर महिलाओं से मदद करवाना।
* बचत की आदत निरन्तर डालना।
* बैंको से जोड़कर ऋण उपलब्ध करवाना।

समूह बचत खाता खुलवाना :– नाबार्ड के वित्तिय सहयोग से गठित महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन करके 6 माह बाद **ICICI** बैंक में समूह का बचत खाता खुलवाया जाता है ताकि समूह का बैंक से जुड़ाव हो सके और बैंक की गतिविधियों को जान सके। जब समूह को ऋण लेने की आवश्यकता हो तो बैंक लोन के लिए समूह आवेदन कर सके।

बैंक ऋण दिलवाना :– जिस महिला स्वयं सहायता समूह का गठन हो जाता है। उसके 6 माह बाद समूह को बैंक लोन लेने के लिए पात्र होने पर बैंक से लोन दिलवाया जाता है। बैंक लोन से महिलायें अपने–अपने रोजगार में लोन के रूपये काम में लगाती है।

समूह सदस्यों को बीमा से जोड़ना :– महिला समूह के सदस्यो को बीमा के प्रति जागरूक करना और लोन का बीमा के साथ जीवन बीमा से जोड़ना ताकि भविष्य में महिला के साथ किसी प्रकार की दुर्घटना हो तो उसके परिवार को बीमा से अधिक सहायता मिल सकें।

शिविरों का आयोजन :– स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को स्वास्थ्य शिविरों से जोड़कर लाभान्वित किया। जैसे कि महिला कानून, श्रमिक के अधिकार, श्रमिक कार्ड बनवाना, परिवार नियोजन शिविर इत्यादि शिविरों के साथ हर वर्ष महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उसमें महिलाओं द्वारा किये गये कार्यों व अनुभवों को आपस में बताया जाता है। ताकि महिलाओं को एक दूसरे से प्रेरणा मिलती है।

समूह प्रशिक्षण :– नाबार्ड के वित्तिय सहयोग से गठित महिला स्वयं सहायता समूहों का क्षमतावर्धन, लीडरशीप, लघु उद्योग व समूह संचालन के प्रशिक्षण समय–समय पर दिये जाते है। ताकि समूहों की गुणवत्ता बनी रहे और समूह सदस्यों को रोजगार से जोड़ा जा सके।

समूह ऑडिट :– संस्थान द्वारा गठित समूहों की हर वर्ष ऑडिट की जाती है, और समूहों की वित्तिय स्थिति का आंकलन किया जाता है। ऑडिट के बाद समूह लाभांश भी सदस्यों को वितरण किया जाता है।

समूह ग्रेडिंग :– जिस महिला स्वयं सहायता समूहों की गुणवत्ता को जाँचने के लिए ग्रेडिंग की जाती है। और ग्रेडिंग के बाद जो भी समूह में खामिया रहती है उसके लिए योजना बनाकर प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्र.सं.	जिले का नाम	समूह की संख्या	बैंक लिंकेज
1	अजमेर	1400	1400
2	नागौर	600	300
	कुल	2000	1700

लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (माईग्रेन्ट टी.आई.)
(Trargeted Intervention Migrant Programme)

पृष्ठभूमि

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा चित्तौड़गढ़ जिले में 1 मार्च 2014 से राजस्थान स्टेट एड्स कन्ट्रोल सोसायटी जयपुर (राज.) के सहयोग से लक्षित हस्तक्षेप परियोजना (माईग्रेन्ट टी.आई.) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संस्थान द्वारा चित्तौड़गढ़ जिले में बाहरी प्रदेश से आये हुए माईग्रेन्ट (पलायनकर्त्ता) 10000 प्रतिवर्ष संस्थागत रजिस्ट्रेशन करना व उनको टी.आई. माईग्रेन्ट प्रोग्राम सम्बन्धित सुविधाओं को उच्च जोखिम व्यवहार के माईग्रेन्ट तक पहुँचाना है। साथ ही समय–समय पर चिकित्सकीय जाँच व एच.आई.वी. जाँच निःशुल्क करवाना उनको एच.आई.वी. के प्रति जागरूक करना है। राजस्थान व राजस्थान के अलावा अन्य प्रदेश से आये हुए लोग जो कि बिहार, झारखण्ड, उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उड़ीसा, तमिलनाडु, कश्मीर व अन्य राज्यों के अलावा नेपाल देश से भी ये माईग्रेन्ट लोग सम्बन्धित है। ये माईग्रेन्ट महिला व पुरूष दोनों प्रकार के है।

चित्तौड़गढ़ जिला उच्च जोखिम राज्य ट्रांसपोर्टेटेंशन क्षेत्र, सीमेन्ट के बड़े–बड़े प्लाट के कारण है। यहाँ पर माईग्रेन्ट का आवास व प्रवास दोनों ही बहुतायत में है। इस जिले में माईग्रेन्ट के अलावा ट्रकर्स की भी बहुतायता है। चित्तौड़गढ़ जिले में माईग्रेन्ट सीमेन्ट प्लांट रोड़, कन्सट्रक्शन, ट्रांसपोटेशन निर्माण कार्य में सम्मिलित है। ये मजदूर सीमेन्ट प्लांट में जे.के. मांगरोल, वन्डर, आदित्य बिरला, लॉफार्ज, के.के. कोटेक्स, गणपति फैक्ट्रियों से है तथा फैक्ट्रियों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित भी है। इस कार्यक्रम में रजिस्टर्ड लोग, चित्तौड़गढ़, कपासन, निम्बाहेड़ा ब्लॉक से है। कुछ लोग रेलवे फाटक, रेलवे ट्रेक, **FCI** गोदाम पर कार्यरत भी है।

कार्यक्रम में अभी तक 36008 लोगों को रजिस्टर्ड किया जा चुका है। इस कार्यक्रम के तहत लोगों को टी.आई. कार्यक्रम की जानकारी दी गई व विभिन्न गतिविधियों से जोड़ा है।

एच.आई.वी. फैलने के कारण :

- ❋ एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरखित यौन सम्पर्क से।
- ❋ एच.आई.वी. संक्रमित रक्त चढ़ाने से।
- ❋ एच.आई.वी. संक्रमित सूई या निडल से।
- ❋ एच.आई.वी. संक्रमित माँ से होने वाले शिशु को।

एच.आई.वी. नहीं फैलता :

- ❋ मच्छर के काटने से।
- ❋ साथ रहने व एक–दूसरे को छूने से।
- ❋ एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति की देखभाल से।
- ❋ साथ में खाने पीने से।
- ❋ एक ही शौचालय के उपयोग से।

माईग्रेन्ट लोगों की एच.आई.वी. जाँच संस्था के माध्यम से की जा रही है। पॉजिटिव आने पर उनको आई.सी.टी.सी. सरकारी अस्पताल में जाँच करवायी जाती है। उसके बाद ए.आर.टी. से जोड़ दिया जाता है। ताकि एच.आई.वी. पॉजीटिव लोगों को डॉक्टरी देखरेख से निःशुल्क दवाईयाँ दी जाती है।

संस्थागत कण्डोम की उपलब्धता व उपयोगिता बताना, फिल्ड में माईग्रेन्ट को कण्डोम की महत्वता बताने के साथ उपयोग करने के लिए प्रेरित करना हैं, कण्डोम को बेचने के लिए 51 कण्डोम आउटलेट खोले हुए है, जहाँ से आसानी से कण्डोम खरीद सकते है। संस्थागत इस साल में 8857 माईग्रेन्ट लोगों को रजिस्टर्ड किया गया है। परामर्शकर्त्ता द्वारा 5738 को परामर्श किया। 4101 लोगों को रेफर किया उसमें 3146 एच.आई.वी. का टेस्ट किया। संस्थागत 179 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर लोगों की जाँच हुई। 35000 लोगों के साथ ग्रुप डिस्कर्शन के माध्यम से मिला गया। 33110 कण्डोम को बेचा गया। 48 नुक्कड़ नाटक के आयोजन से लोगो के बीच एच.आई.वी. एड्स व टी.बी. के प्रति फैलायी गयी।

उद्देश्य :

- प्रतिवर्ष 10000 माईग्रेन्ट जो उच्च जोखिम व्यवहार के है, उनका रजिस्ट्रेशन करना।
- डी.आई.सी. में एकल व समूह बैठको का आयोजन करना।
- एच.आई.वी. एड्स की जाँच व परामर्श करना पॉजिटिव आने पर जिला अस्पताल (आई.सी.टी.सी.) से जोड़ना। आवश्यकता पड़ने पर ए.आर.टी. में रेफर करना।
- एच.आई.वी. जागरूकता के साथ कण्डोम का सही उपयोग व महत्व बताना।
- माईग्रेन्ट को सुरक्षित यौन व्यवहार के लिए प्रेरित करना, ताकि एच.आई.वी. के खतरे को कम किया जा सके।

रणनीति :

- माईग्रेन्ट को उच्च जोखिम व्यवहार के प्रति जागरूक करना।
- निःशुल्क शिविरों में लोगों की उपस्थिति बढ़ाना।
- नुक्कड़ नाटकों के द्वारा फील्ड में लोगों को जागरूक करना।
- कण्डोम उपयोग व सुरक्षित यौन व्यवहार को जीवन में अपनाने के लिए बार–बार प्रेरित करना।
- महिला व पुरूषों को अलग–अलग समूह बैठक का आयोजन करना ताकि माईग्रेन्ट खुलकर बात कर सकें।

गतिविधियाँ :

✍ **रजिस्ट्रेशन :–** माईग्रेन्ट से अत्यधिक संख्या में जुड़ाव करवाना। PL/ORW/Counseller के द्वारा तीन माध्यम का उपयोग कर (परामर्श, निःशुल्क, स्वास्थ्य शिविर, डी.आई.सी.) से रजिस्टर्ड किया जाता है। कार्यक्रम की प्रत्येक गतिविधियों से जोड़ा जा सके।

✍ **परामर्श :–** संस्थान के परामर्शकर्त्ता द्वारा माईग्रेन्ट व अन्य लोगों को परामर्श दिया जाता है। परामर्शकर्त्ता द्वारा एच.आई.वी. एड्स व एस.टी.आई. के प्रति सचेत करना। परामर्श माईग्रेन्ट को व्यक्तिगत व सामूहिक करना। 14 प्रकार के परामर्श से उच्च जोखिम व्यवहार की जानकारी लेना व प्रति छःमाह में जाँच करवाना। प्री व पोस्ट काउन्सलिंग, जोखिम व्यवहार को देखना, उच्च जोखिम व्यवहार में कमी लाना, परिवार नियोजन, शराब व अन्य प्रकार का परामर्श कर जागरूक करना है। संस्थागत 5738 लोगों को परामर्श प्रदान किया।

✍ **रेफरल व लिंकेज :–** उच्च जोखिम समूह को टी.आई. ऑफिस, डी.आई.सी., आई.सी.टी.सी., ए.आर.टी. व अन्य जगह रेफर करना। इस वर्ष 4101 को रेफर किया गया।

✍ **निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर :–** इस वर्ष 179 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। 4861 लोगों की चिकित्सकीय जाँच हुई। 3146 लोगों की एच.आई.वी. जाँच हुई।

✍ **नुक्कड़ नाटक :–** संस्थान द्वारा नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से एच.आई.वी., एड्स व एस.टी.आई., टी. बी. के प्रति जागरूकता व बचाव की जानकारी दी। सुरक्षित यौन, व्यवहार के लिए प्रेरित करना कण्डोम की उपयोगिता को बताना।

✍ **डेटा मूल्याकंन :–** एम./ई. के माध्यम से डेटा मूल्याकंन करना। प्रोग्राम मैनेजर द्वारा उसकी जाँच करवाना। समय पर सभी रिर्पोट को एकत्रित करना व आगे पहुँचाना।

✍ **व्यवहार परिवर्तन :–** जोखिम पूर्ण व्यवहार सम्बन्धित लोगों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना। उसके साथ बैठक करना। यौन व्यवहार करवाना ताकि परिवार को सुरक्षित रख सके।

✍ **कार्यक्रम :–** माईग्रेन्ट महिला पुरूषों के साथ बैठकों का आयोजन करना। परामर्श व जाँच के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक शिविरों का आयोजन करना। नुक्कड़ नाटक, एडवोकेसी शिविर का आयोजन करना कण्डोम की उपयोगिता समझाना साथ ही कण्डोम आउटलेट के माध्यम से कण्डोम उपलब्ध करवाना। समय–समय पर कॉन्गरजेशन ईवेन्ट का आयोजन, डिमाण्ड जनरेशन गतिविधियों को आयोजित करना। टी.आई. कार्यक्रमों में सी.एस.आर. सम्बन्धित लोगों के साथ मिटिंग करना।
टी.आई. कार्यक्रम के तहत एम.एल.ए. श्रीमान् चन्द्रभान सिंह आक्या, प्रधान श्रीमान् प्रवीण सिंह जी द्वारा कार्यक्रमों में अतिथि ग्रहण किया।

उपलब्धियाँ :

- जिला समन्वयक द्वारा चिकित्सा अधिकारी पी.एम.ओ., सी.एम.एच.ओ. व आई.सी.वी.सी. प्रभारी, परामर्शकर्त्ता, एल.टी. के अलावा फैक्ट्री यूनियन के साथ नेटवर्क बनाना।
- महिला व पुरूषों दोनो तरह के माईग्रेन्ट लोगो को अलग कार्यक्रम से जुड़ाव बनाना
- एडवोकेसी के माध्यम से टी.आई. कार्यक्रम के समझ बनाना व सहयोग प्राप्त करना।
- लोगों की एड्स के प्रति समझ बढाना व एड्स के भय को दूर करना व समझ विकसित करना।
- एस.टी.आई. ईलाज के द्वारा रोगियों को ठीक करना व कमी लाना।

- माईग्रेन्ट लोगों को टी.आई. के साथ अन्य सरकारी व गैर सरकरी सुविधाओं की जानकारी देना।
- महिला माईग्रेन्ट का संस्थान से जुड़ाव करना व वातावरण गोपनियता के साथ जाँच व परामर्श करना।
- संस्थागत इन लोगों को भी समय–समय पर सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं से जुड़ाव करवाना।

सफल कहानी (Success Story)

विकास सीमेन्ट प्लान्ट में कार्यरत है। 32 की उम्र पार कर घर गृहस्थी में पड़ा हुआ जीवन को जीने के लिए मजबूर एक सामान्य व्यक्ति है। 32 साल की उम्र में शादी फिर बच्चा, हँसता खेलता जीवन था। पारिवारिक गरीबी मं व्यतीत जीवन को फिर भी प्रयासों के बाद काम चलाऊ बना दिया था।

विकास अपनी पत्नी से बहुत खुश था। धीरे–धीरे समय बीता परिवार बढ़ने लगा। दिन–दिन गुजारा नहीं हो पाता था। सामाजिक रिवाजों मे ंउलझा परेशान व्यक्ति अब रूपये के लिए परेशान होने लगा। काफी सारा पैसा उधार लिया पर चुकाना नहीं हुआ। किसी दोस्त की सहायता से बाहरी राज्यों में मजदूरी करने चला गया। किसी भी काम को करने के लिए तैयार विकास अपनी पत्नी व बच्चों को छोड़कर चला गया। कार्यस्थल पर भी ठेकेदार ने उसको काम से निकाल दिया था, संस्थागत समझाईश के बाद उसको फिर से काम पर रख लिया। संस्थागत ठेकेदार को पाबंध करवा दिया। सी.एस.आ. या एच.आर. से बातचीत करके वह उसको काम से नहीं निकाल सकते। विकास इसके लिए बहुत आभारी है।

''जिन्दगी''

मेरी जिन्दगी यू ही चलती रहे, मैंने चाहा बहुत घुट–घुटकर ना जीयू।
पर भागती दौड़ती जिन्दगी को, करता रहा सलाम नमस्ते।
मेरी जिन्दगी में सब था, ना था तो वो चैन सुकून।
मैं था परिवार था और जरूरते थी, पूरा करते करते दिन रात चलती रही।
जीवन की पहिएनुमा गाड़ी, हम पूछते रहे प्रभु से कब होगा।
वो सुकून का पल दिन–दिन, आते जाते रहे शाम–सुबह।
पर नहीं मिल पाई खुशियों की घड़ी, जीवन की डोर आज इधर।
कल उधर हाथों हाथ में चली, ना चाहा पर पल–पल झुलसती।
धधकती सी जिन्दगी, मेरे जीवन में जब आई रंगिनियों का सवेरा।
तब होने लगा एहसास कुछ हल्का–हल्का, की जीना नहीं, चल पड़ा मृत्यु की ओर।
जी.एम.वी.एस. संस्था के जुड़ाव से, बचा है जो समय जो पल केवल।
परिवार के लिए जीना चाहता हूँ, मैं अब सबको जगाना चाहता हूँ।
एच.आई.वी. नहीं कोई मृत्यु का रास्ता, बस सूझ समझ और संयम ही बरतना।
ताकि जिन्दगी की गाड़ी यू ही चलती रहे।

ममतासिंह चौहान

''मजदूरी पड़ी भारी''

मजदूर हूँ मजदूरी मेरा काम, चलते रहना मेरा काम।
पग–पग, डगर–डगर, नगर–नगर, शहर–शहर, गाँव–गाँव, ढाणी–ढाणी।
ना रूका ना थमा, बस चलते रहना मेरा काम।
खाना पीना ढलती शाम, कोने में छुपा देखा मैंने यार।
शाम शहर गुजारना मेरा नाम, वार त्यौंहार मनमोहक शाम।
नदी से बहती धारा सा धाम, पुकारती घर की यादों के नाम।
ना गुजर–बसर रही जब शाम, जब हो जाये अपने परिवार के नाम।
स्वस्थ रहो बस यही कहना मेरा काम, हर छः माह में रक्त जाँच करवाये।
वरना कही एड्स ना कर दे काम तमाम, इसलिए सबको जगाना मेरा काम।

नरेन्द्र गर्ग

सफल कहानी
(Success Story)

एक दिन की बात है कि मैं हमेशा की तरह अपने फील्ड में पहुँचा ही था बैठे हुए कुछ ही समय हुआ था कि उम्र 25 साल का माईग्रेन्ट मेरे कन्धे पर सर रखकर रोने लगा। मैंने पुछना चाहा भाई क्या है। तो मेरी और देखता और मेरे बहुत पूछने पर वह जोर–जोर से रोने लगा। पास ही 8–10 लोग उपस्थित थे। इस कारण वह अपने मन की बात सबके सामने नहीं करना चाहता था। उसको अलग से जाकर बिठाया बातचीत के दौरान पता चला की संस्था द्वारा यौन अंगो पर फोड़े–फुन्सिया होने की बात कही थी, मैंने इस पर ध्यान नहीं दिया। कण्डोम की बात भी कही परन्तु माना नहीं। मैंने एक विश्वास लायक महिला के साथ बहुत आनन्दपूर्वक दिन बिताये परन्तु कण्डोम लगाना कभी उचित न समझा। मैं बिना कण्डोम के ही उसके साथ यौन सम्पर्क में आ गया।

संस्थागत कैम्प में सभी जाँच होने के बाद कैम्प खत्म हो गया। पर मैं हिम्मत नहीं जुटा पाया कि कैसे अपने बारे में आपको बताऊ कुछ समय से फुन्सियाँ होने लगी थी, जिसके कारण मेरी परेशानी बढ़ती चली गयी। आज मैं परेशान हो चुका हूँ। मेरी प्रेमिका भी किसी ओर के पास जाती रहती है। जिसके पास जाती है। उसको भी एड्स व यौन रोग दोनों है। बढ़ी मुश्किल से उसको समझाया वो चुप हुआ।

संस्थागत उसको कहा गया कि वह चिन्ता ना करे जो हुआ सो हुआ। उसको चित्तौड़गढ़ लाया गया। जाँच करवायी, परामर्श किया एच.आई.वी. / एड्स की जाँच हुई। ऑफिस बुलाकर ओ.आर. डब्ल्यु, पी.एम., काउन्सिलर द्वारा समझाया गया। वर्तमान में वह व्यक्ति सुखपूर्वक जीवनयापन कर रहा है व कण्डोम की उपयोगिता को अन्य लोगों को बताता है। समय–समय पर संस्थान के लोगों से मिलकर विभिन्न गतिविधियों में बढचढकर हिस्सा लेता है। आज जी.एम.वी.एस. की देन से वह स्वस्थ जीवन जी रहा है। शुक्रगुजार हो संस्था सदस्यों का की उन्होनें उसको संकट से उबारा।

GMVS

स्वयं सहायता समूह डिजिटाईजेशन–ई शक्ति कार्यक्रम (SHG Digitization-E Shakti Programme)

पृष्ठभूमि :– ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा महिला स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम को संचालित हुए 15 वर्ष हो चुके है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक की शुरूआत की गई इस परियोजना में 1300 समूह को अजमेर ई शक्ति कार्यक्रम नाबार्ड व संस्थान द्वारा संचालित करने का मुख्य उद्देश्य समूह व सदस्यों की सम्पूर्ण जानकारी कम्प्यूटरीकृत और ऑनलाईन करना है ताकि समूह या सदस्य को किसी भी सरकारी योजनाओं से जोड़ा जा सके ताकि समूह से जुड़े परिवार का फायदा हो सके। समूह सदस्य की बचत लोन, बैंक लोन, ब्याज जो कि हर माह में ट्रांजेक्शन होता हैं। यह जानकारी समूह सदस्य के मोबाईल में एस.एम.एस. के जरिये सदस्य को प्राप्त होती है। ताकि समूह या सदस्य को जानकारी मिलती हैं।

परियोजना के उद्देश्य :–

- ❖ समूहों का एकीकरण
- ❖ समूहों का ऑनलाईन रिकोर्ड
- ❖ समूहों को अन्य संस्थाएँ बैंक सरकार से जुड़ाव
- ❖ समूहों की आनॅनलाईन ऑडिट
- ❖ संस्थागत रिकोर्ड
- ❖ समूहों की ग्रेडिंग को आसान करना
- ❖ समूह सदस्यों को लेन–देन की सम्पूर्ण जानकारी एस.एम.एस. जरिये मिलती है।

परियोजना के उद्देश्य :–

- ❖ समूहों का सम्पूर्ण रिकोर्ड कम्प्यूटर व मोबाईल पर रहना।
- ❖ हाथ से लिखने व चेक करने के सिस्टम का समापन।
- ❖ समूहों को बैंक से जोड़ने में आसानी।
- ❖ समूहों की बाहरी संस्थाओं से रिकोर्ड की जाँच।
- ❖ समूह सदस्यों में आपसी विश्वास।
- ❖ संस्थान को कार्य करने में आसानी।
- ❖ महिलाओं की सम्पूर्ण जानकारी ऑनलाईन।
- ❖ क्षेत्रिय बैंको को बिजनेस उपलब्ध।

ई शक्ति परियोजना संचालित करने से संस्थान और नाबार्ड दोनों को आसानी से समूह की सम्पूर्ण जानकारी ऑनलाईन मिल जाती है। एक एनीमेटर को 30 समूह की डाटा एन्ट्री करता हैं। उसके पास 4 जी एन्डरोइट फोन भी नाबार्ड व संस्थान के द्वारा दिया जाता है। एक एनीमेटर को 2000/– मासिक वेतन कार्य करने के लिए नाबार्ड के द्वारा दिया जाता है। एनीमेटर बैठक में लेनदेन की सम्पूर्ण जानकारी सॉफ्टवेयर एन्ट्री करता है। और संस्थान कार्यालय से दो कॉपी का प्रिन्ट एक समूह में दिया जाता है और एक समूह सदस्यों के पदाधिकारी का हस्ताक्षर करवा के ऑफिस में जमा करवाता है। जिसकी जाँच संस्थान स्तर पर होती है। यह कार्यक्रम संचालन करने से कार्य को आसानी व गति प्रधान हुई हैं। संस्थान के पास ई शक्ति कार्यक्रम में 43 एनीमेटर कार्य कर रहे है।

ग्रामीण महिला जागृति समिति (फैडरेशन) कार्यक्रम (Gramin Mahila Jagrti Samiti (Federation) Programme)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा वर्ष 2011 में सेन्टर फॉर माईक्रो फाइनेंस के वित्तिय सहायोग से महिला संगठन का गठन किया गया। जिसका नाम ग्रामीण महिला जागृति समिति दाँता अजमेर है। यह संगठन अजमेर जिले की श्रीनगर और सिलोरा पंचायत समिति के 38 गाँवों में 300 महिला स्वयं सहायता समूह को मिलाकर बनाया गया संगठन है। इस संगठन का गठन करने का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण करना है। समय–समय पर महिला फैडरेशन का आर्थिक सहयोग ग्रामीण महिला विकास संस्थान के द्वारा दिया जाता है। क्षमतावर्धक के लिए सेन्टर फॉर माईक्रो फाइनेंस जयपुर की मदद ली जाती है। वर्तमान में ग्रामीण महिला जागृति फैडरेशन महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए कार्य कर रहा है।

फैडरेशन का लक्ष्य :– ग्रामीण महिला जागृति फैडरेशन का मुख्य लक्ष्य महिलाओं को संगठित करना और उनके क्षेत्र में आर्थिक व सामाजिक समस्याओं को एक वृहद स्तर लाना ताकि उसका समाधान स्वयं महिलाएँ ही कर सके। महिलाओं में लीडरशिप तैयार करके क्षैत्र के विकास में सहयोग प्रदान करें। महिला शक्ति को बढ़ावा देना। सरकारी व गैर सरकारी ऐजन्सीयों के साथ जोड़कर कौशल विकास, राजनैतिक, विकास, सामाजिक और आर्थिक विकास हो सके। इस फैडरेशन का मुख्य लक्ष्य है।

समूह स्तर पर गतिविधियाँ :– ग्रामीण महिला जागृति समिति (फैडरेशन) दाँता ने वित्तिय वर्ष में स्वयं सहायता समूह का संचालन किया और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व पदाधिकारियों का क्षमतावर्धन किया। जिन समूहों में लाभांश ज्यादा हो चुका था उस समूहों का लाभांश बाँटा गया। एक वर्ष में लगभग 100 समूहों के पदाधिकारियों का रोटेशन किया गया। ताकि नये सदस्यों को लीडरशीप करने का मौका मिले। जो सदस्य समूह से जुड़ने के लिए तैयार थे, उनको पुराने समूहों से जोड़ा गया। इस तरह से समूह स्तर पर समूहों के सदस्यों की आजीविका पर कार्य किया गया। बैंक से लोन दिलवाकर किराणा स्टोर, सब्जी की दुकानें, फैन्सी स्टोर व पशुपालन को बढ़ावा दिया गया। जिससे सदस्यों की आमदानी में बढोतरी हुई।

क्लस्टर स्तर पर गतिविधियाँ :– ग्रामीण महिला जागृति फैडरेशन दाँता, अजमेर द्वारा 15 क्लस्टर गठित किये हुये है उन क्लस्टर में 300 समूह जुडे हुये है। क्लस्टर स्तर पर वित्तिय वर्ष में निम्नलिखित कार्य किये गये थे। समूहों का संचालन करना, समूहों की ग्रेडिंग करना, समूहों की ऑडिट करना, समूहों को समय–समय पर प्रशिक्षण देना व दिलवाना, समूहों को बैंक लोन दिलवाना, एक–दूसरे समूहों की विजिट करवाना, क्लस्टर की आम सभाऐं आयोजित करवाना, क्लस्टर में सदस्यों व पदाधिकारियों का बदलाव करना ताकि नये लोग क्लस्टर का नेतृत्व करें। क्लस्टर स्तर पर मुंशी तैयार करना ताकि समूह व क्लस्टर का लेखा संचालन अच्छे से हो सकें। इस प्रकार विभिन्न गतिविधियाँ क्लस्टर स्तर पर की गई।

फैडरेशन स्तर पर गतिविधियाँ :– ग्रामीण महिला जागृति समिति–दांता (फैडरेशन) के द्वारा वित्तिय वर्ष में पदाधिकारियों का बदलाव किया और नये पदाधिकारियों को फैडरेशन का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया गया। फैडरेशन की आम सभा मार्च में आयोजित की गई। फैडरेशन की ऑडिट करवाई गई, फैडरेशन का मूल्यांकन किया गया। जहाँ पर कुछ कमियाँ थी उन कमियों को दूर करने का प्रयास किया गया। फैडरेशन का संचालन करने के लिए सदस्यता शुल्क, लोन फीस, विजिट फीस के साथ–साथ अन्य संस्थानों से भी जुड़ाव करके आय प्राप्त की। फैडरेशन मे नये स्टाफ का भी चयन किया गया और समूह क्लस्टरों की गुणवत्ता का आंकलन किया गया। इस प्रकार वित्तिय वर्ष में फैडरेशन स्तर पर गतिविधियाँ की गई।

फैडरेशन की कार्य विधि :– ग्रामीण महिला जागृति समिति दाँता (फैडरेशन) अजमेर की कार्य प्रणाली बहुत अच्छी हैं। इसका मुख्य कारण लम्बे समय से फैडरेशन स्टाफ फैडरेशन के साथ जुड़कर कार्य कर रहे है। फैडरेशन पदाधिकारियों व स्टाफ का मार्गदर्शन ग्रामीण महिला विकास संस्थान और विभिन्न संगठन करते रहते है। महिलाओं व स्टाफ को समय–समय पर प्रशिक्षिण दिया जाता है। कार्यकारिणी व फैडरेशन स्टाफ की मासिक बैठक आयोजित की जाती है। ताकि गतिविधियों का मूल्यांकन किया जा सके और माह का प्लान तैयार किया जा सके। इस प्रकार फैडरेशन की कार्य विधि का संचालन होता हैं।

फैडरेशन की उपलब्यिाँ :–

- महिलाओं का संगठित होना।
- महिलाओं की आर्थिक स्थिति में सुधार।
- छोटे–छोटे उद्योग विकसित हुये है।
- महिलाऐं साक्षर बनी।
- बालिका शिक्षा को बढावा।
- बाल विवाह पर रोक।
- स्वरोजगार से जुड़ना।
- राजनैतिक क्षैत्र में महिलाओं की भागीदारी।
- परिवार में निर्णय लेना।
- परिवार की आर्थिक स्थिति में योगदान।
- पशुपालन व कृषि में महिला पुरूष की समान भागीदारी।
- महिला पर घर में अत्याचार में कमी।
- महिलाओं का स्वास्थ्य बेहत्तर।
- महिलाऐं संगठन के माध्यम से बाहर निकलना।
- महिला सशक्तिकरण हुआ।

किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम अजमेर (Farmer Producer Organization Programme Ajmer)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर द्वारा पंचायत समिति भिनाय में संचालित 4 किसान उत्पादन कम्पनी लिमिटेड जो कि नाबार्ड, जयपुर के वित्तिय सहयोग से संचालित की जा रही है। चारों कम्पनियों का पंजीकरण कम्पनी एक्ट में मार्च 2016 को किया गया। कम्पनी गठित व संचालन करने का मुख्य उद्देश्य उत्पादनकर्त्ता तथा उपभोक्ता के मध्य के बिचौलिया को हटाकर किसान के उत्पादन का पूरा मूल्य प्राप्त हो तथा उपभोक्ता को भी सस्ती दर पर उसकी आवश्यकता पूर्ति की जा सके। इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु 4000 किसानों को साथ जोड़ा गया तथा उनके साथ नियमित सम्पर्क बनाया रखा जा रहा है। उनकी तकनीकी जानकारी बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रयास किये जा रहे है। जिसमें कम्पनी का मुख्य उद्देश्य निम्न है–

- किसानों को अपने उत्पाद का उचित मूल्य मिलने पर जिन्सों का विक्रय करवाना।
- किसानों को सीधे मण्डी में ही अपना माल बिक्री करवाना।
- किसानों को अपने माल की ग्रेडिंग करवाकर गुणवत्ता बढ़ावा।
- लाईसेंस प्राप्त करना जिसमें (खाद–बीज–दवाईयाँ) विक्रय की जा सके।

अजमेर जिले की भिनाय पंचायत समिति के ग्राम पंचायत–लामगरा व बुबकिया के निम्न गाँवों में कम्पनीयाँ संचालित है।

क्र.सं.	संगठन	गाँव	कार्यरत फसल
1	खायडा किसान समृद्धि प्रो. कम्पनी	खायड़ा	मूंग
2	रैण किसान समृद्धि प्रो. कम्पनी	रैण	कपास
3	भैरूखेड़ा किसान समृद्धि प्रो. कम्पनी	भैरूखेड़ा	कपास
4	उदयपुर खेड़ा समृद्धि प्रो. कम्पनी	उदयपुर खेड़ा	मूंग

किसान उत्पादक संगठनों के सफल क्रियान्वन हेतु गाँवों में किसानों की प्रति माह बैठक आयोजित की जा रही है। जिसमें किसानों को सरकारी योजना के बारे में जानकारी दी जाती है तथा उनके सुझावों पर चर्चा की जाती है। किसानों को एक मंच पर लाना तथा संगठनात्मक रूप से कार्य करने हेतु प्रयास किया जा रहा है।

1. किसान उत्पादक संगठन की बैठक :– किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड की हर माह बैठक आयोजित की जाती है। जिसमें इस माह में किये गये कार्यों की समीक्षा तथा आगामी माह की कार्य योजना पर निर्णय लिया जाता है।

2. पी.आई.एम.सी. बैठक :– कार्यों के मूल्याकन हेतु तथा नवीन कार्यों के कार्य योजना के अनुसार सम्पादित करने हेतु परियोजना मूल्यांकन कमेठी द्वारा त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया जाता है। नाबार्ड अधिकारी, कृषि पर्यवेक्षक, संस्थान सचिव तथा किसान संगठन बोर्ड सदस्यों की भागीदारी रहती है।

3. कम्पनी बोर्ड सदस्यों का प्रशिक्षण :– नाबार्ड द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में कम्पनी सदस्यों का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें कम्पनी बोर्ड सदस्यों को अपनी कम्पनी प्रगति के टूल्स पर जानकारी दी गई।

4. जिला स्तरीय कृषक उत्पादक संगठन कार्यशाला :– नाबार्ड द्वारा आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय कृषक उत्पादक संगठन कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा अपने विचारों को रखा, आगामी कार्यों में सफलता प्राप्त करने तथा अन्य किसान उत्पादक संगठनों के कार्य करने के तरीको को समझा गया।

5. कम्पनी लाईसेन्स :– कम्पनियों के खाद–बीज–दवाईयाँ विक्रय करने हेतु विभाग द्वारा लाईसेन्स प्राप्त कर लिये है तथा अपना कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। जिसमें किसानों को खाद, बीज उपलब्ध करवा दिया गया। जिसमें किसानों को अपनी आवश्यकतानुसार खाद–बीज का ऑर्डर बुक किये जा रहे है। जिसमें ईफको, डीफको, डी.ए.पी. दिनकर कम्पनी–बीज, मूंग, उड़द, 15 नम्बर ज्वार राशि– कपास, एच.एस. 6 बीकानेरी नरमा श्रीराम आदि बीज उपलब्ध करवाये गये।

6. कम्पनी शेयर धारक किसान :– सभी कम्पनियों में किसान शेयर धीरे–धीरे जुड़ रहे है तथा शेयर राशि बढ़ रही है। जो खाद, बीज क्रय करने हेतु उपयोग की जायेगी।

किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम नागौर
(Farmer Producer Organization Programme Nagaur)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी द्वारा नागौर जिले की दो पंचायत समितियों रियाबड़ी व परबतसर के 5 गाँवों में किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। नाबार्ड के वित्तिय सहयोग से 5 कम्पनीयों कम्पनी एक्ट में मार्च 2016 में पंजीकृत कराई गई। कम्पनी के माध्यम से उत्पादन कर्त्ता तथा उपभोक्ता के मध्य दूरी को कम करने के लिए 5000 किसानों को साथ जोड़ा गया।

मुख्य उद्देश्य :

- किसानों में जागरूकता पैदा करना
- किसानों का क्षमता निर्माण करना।
- किसानों को तकनीकी सहायता करना।
- किसानों की बाजार तक पहुँच बनाना।
- किसानों की आय वृद्धि करना।

कृषक उत्पादक संगठनों के मुख्य कार्य :

- नवीन तकनीकी को बढ़ावा देना।
- आवश्यकता पूर्ति हेतु माल भंडारण।
- बाजार व्यवस्था अपनाना।
- उत्पादन माल ग्रेडिंग करवाना।

नागौर जिले की पंचायत समिति रियाबड़ी व परबतसर के निम्न गाँवों में किसान उत्पादक संगठनों का संचालन किया जा रहा है जिसमें

क्र.सं.	संगठन	गाँव	पंचायत समिति
1	निरन्तर एग्रो फुड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	कस्बा की ढाणी	रियाबड़ी
2	पीह एग्रो फुड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	पीह	परबतसर
3	लोकजन एग्रो फुड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	रघुनाथपुरा	परबतसर
4	श्री राताढुण्डा एग्रो फुड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	राताढुण्डा	रियाबड़ी
5	ढाणीपुरा एग्रो फुड प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड	भैरून्दा	रियाबड़ी

किसान उत्पादक संगठनों के सफल क्रियान्वयन हेतु गाँवों में किसानों के साथ बैठको का आयोजन करना एवं सरकारी व गैर सरकारी कृषि योजनाओं की जानकारी देना। कृषि पर्यवेक्षकों व कृषिविज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञो से प्रशिक्षण दिलवाया।

गतिविधियाँ :

मासिक बैठक :– कम्पनी बोर्ड सदस्यों व शेयर धारको के साथ मासिक बैठक का आयोजन किया जाता है इसमें इस माह में किये गये कार्यो की समीक्षा तथा आगामी कार्य योजना पर चर्चा की जाती है।

त्रैमासिक बैठक (PIMC) **:–** प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेठी बैठक की हर त्रैमास में मिटिंग आयोजित की जाती हैं जिसमें सम्पादित कार्यों की समीक्षा की जाती है तथा आगामी कार्य योजना बनाई जाती है।

कम्पनी लाईसेन्स :– कम्पनियों द्वारा किसानों को स्थानीय स्तर पर अच्छी गुणवत्ता युक्त खाद बीज उपलब्ध करवाने हेतु विभाग द्वारा लाईसेन्स प्राप्त किये गये है तथा किसानो को प्रमाणित बीज उपलब्ध करवाये।

शेयर सर्टिफिकेट स्वीकृत :– किसान उत्पादक संगठनों में किसानो द्वारा एकत्रित की गई शेयर राशि के सर्टिफिकेट जारी किये गये। साथ ही कम्पनी की शेयर राशि बढ़ाने हेतु सामूहिक प्रयास जारी है जिसमें कम्पनी व्यापार हेतु अपना कोष जमा किया जा सकें।

राष्ट्रीय बीज अनुसंधान केन्द्र, नागौर :– कम्पनी बोर्ड सदस्यों को राष्ट्रीय बीज अनुसंधान केन्द्र व राज सीड्स कॉर्पोरेशन की विजिट करवाई गयी व प्रमाणित बीजो के उपयोग से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी।

किसान क्लब कार्यक्रम
(Farmer Club Programme)

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तिय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा नागौर जिले की परबतसर एवं रियांबड़ी पंचायत समिति के गांवों में कृषक क्लबों का गठन किया गया।

कृषक क्लबों के कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य :– आज के बदलते हुए परिवेश में जब विश्व व्यापार संस्था की स्थापना तथा कृषि जगत में अन्य परिवर्तन हो रहे है। तब हमारे किसानों को भी अपने आप को संगठित करना होगा ताकि वह इन परिवर्तनों से लाभान्वित हो सके तथा इन परिवर्तनों से उत्पन्न हो रही चुनौतियों का सामना कर सके एवं देश में चल रही तकनीकी क्रान्ति के दौर से किसान वांछिक लाभ प्राप्त कर सके। कृषक क्लब कार्यक्रम से निम्न उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास है।

उद्देश्य :–

- ❖ तकनीकी जानकारी के लिए सामूहिक प्रयास।
- ❖ कृषकों के लिए मंच स्थापित करना।
- ❖ अच्छे बैंक ग्राहकों को पैदा करना।
- ❖ नई नीतियों एवं नियमों की जानकारी प्रदान करना।
- ❖ कृषि उत्पादन विक्रय हेतु नई मण्डियों या कम्पनियों से सम्पर्क करना।

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के वित्तिय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर के द्वारा नागौर जिले की 02 पंचायत समितियों के निम्न गाँवों में किसान क्लबों का गठन कया गया है।

क्र. सं.	किसान क्लब का नाम	गांव	पंचायत समिति
1	पीह किसान क्लब	पीह	परबतसर
2	लोकजन किसान क्लब	रघुनाथपुरा	परबतसर
3	निरन्तर किसान क्लब	कस्वा की ढाणी	रियाबड़ी
4	श्री राताढूण्डा किसान क्लब	राताढूण्डा	रियाबड़ी
5	ढाणीपुरा किसान क्लब	भैरून्दा	रियाबड़ी
6	थाँवला किसान क्लब	थाँवला	रियाबड़ी

7	बवाल माता किसान क्लब	बवाल	परबतसर
8	नागणेच्चा किसान क्लब	बासेड़	परबतसर
9	उजाला किसान क्लब	बस्सी	परबतसर
10	श्री श्याम किसान क्लब	कोढ	रियाबड़ी
11	मोईनेश्वर किसान क्लब	लाडपुरा	रियाबड़ी

कोरो फॉर लिटरेसी क्वेस्ट धरातलीय नेतृत्व विकास कार्यक्रम
(Coro for Literacy Quest Grassroot Leadership Development Programme)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी, अजमेर और ग्रामीण महिला जागृति समिति के एक–एक पंचायत समिति के 03–03 गांवों में फेलोशिप कार्यक्रम जून 2016 से किया जा रहा है। इसके द्वारा लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना, फार्म भरना व सिलाई–बुनाई आदि योजनाओं से जोड़कर रोजगार दिलाना व कौशल सिखाने का कार्य किया गया। कोरो संस्थान द्वारा 06 गाँवों में गाँव की अलग–अलग समस्याओं पर जैसे– बाल विवाह, बालिका शिक्षा, मृत्यु भोज, रूढ़ीवादी परम्परा, अंधविश्वास जैसे मुद्दों पर गांव के लोगों को जागरूक करना व उनसे होने वाले कुप्रभावों से अवगत करवाया गया। स्थानीय दो महिलाओं को फेलो बनाया ताकि दो सदस्यों को रोजगार मिल सकें और अपने और आस पास के गांवों में जो कि खुद फेलो भी मुद्दों से प्रभावग्रस्त है। इसलिए श्रीनगर व पीसांगन पंचायत समिति के तीन–तीन गांवों में कोरो संस्थान के साथ पायलेट कार्यक्रम कर रही है। वर्तमान में अजमेर जिले के हाथीपट्टा व मोहनपुरा गाँव में सभी लोगों के साथ बैठकें, शिविर, नुक्कड़ नाटक, रैलियाँ, चौपाल व प्रशिक्षण किया उनको अच्छा प्रभाव देखने को मिल रहा है। कोरो का इस प्रकार की परियोजना से गांव के लोगों की सोच बदलने लगी है। संस्थान को भी इस तरह के मुद्दों पर कार्य करने से बहुत कुछ सीखने को मिला है। लोगों की फेलोशिप कार्यक्रम में रूची बढ़ने लगी है। कोरो संस्थान उनके बारे में परिवार की तरह सोचने व कार्य करने से लोग अपनी परम्पराओं को बदलने के लिए तैयार है। संस्था भविष्य में कोरो के साथ जुड़कर अन्य गाँवों में भी इस तरह के कार्य करना चाहती है। फेलोशिप कार्यक्रम के लिए संदर्भ व्यक्ति भी तैयार किये जा रहे है।

विभिन्न संस्थाओं द्वारा भ्रमण व विजिट
(Exposure Visit by Various Sansthan)

ग्रामीण महिला विकास संस्थान–बूबानी व ग्रामीण महिला जागृति समिति का राजस्थान सरकार की एम पावर परियोजना से जुड़ी बाडमेर की सभी संस्थाओं का वित्तिय वर्ष में बहुत सारे विजिट हुए है। समूह, कलस्टर, फैडरेशन के कार्यो को देखना व सदस्यों के अनुभवों का आदान–प्रदान करना। उन्नत नस्ल की बकरी पालन करने के तौर तरीके को जानना है। यह सब देखने के लिए बाडमेर जिले से श्योर, भोरूका चेरिटेबल ट्रस्ट, जी.वी.एन.एम.एल., ग्राविस संस्थान के द्वारा विजिट व कार्यो का आंकलन किया गया है।

इस सभी संस्थानों के द्वारा समय–समय पर विजिट होने से संस्थान व फैडरेशन को आर्थिक सहयोग के साथ–साथ अपने कार्यों का भी मूल्यांकन करने का मौका मिला है। एमपावर परियोजना से जुड़ी सभी संस्थाओं का सहयोग मिला है।

संस्थान की भावी सोच

- महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए संस्थान के प्रत्येक कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना।
- महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं पहुँचाकर महिला स्वास्थ्य में सुधार करना।
- स्वच्छ भारत अभियान के तहत गाँवों को स्वच्छ बनाने में सहयोग करना
- महिला साक्षरता कार्यक्रम को बढ़ावा देना।
- ग्रामीण गरीब समुदाय को पशुपालन एवं अन्य स्थानीय रोजगार के अवसरों से परिचित करा कर उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना।
- महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वरोजगार की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना।
- नियमित रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं देते रहना।
- पंचायती राज एवं अन्य सरकारी एवं गैरसरकारी योजनाओं में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित करना।
- जैविक खेती एवं उन्नत कृषि तकनीक एव पशुपालन के लिए लोगों में जागरूकता लाकर इस हेतु उन्हें प्रेरित करना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तिय सेवाएँ उपलब्ध कराना।
- महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना।
- महिला साक्षरता कार्यक्रम में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाना एवं शिक्षित करना।
- जागरूकता बैठकों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मुद्दों पर जागरूक करना।
- ट्रक ड्राइवरों तथा क्लीनरों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुये स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन कर स्वास्थ्य एवं नैत्र जाँच करना।
- माइग्रेंट लोगों को विभिन्न **STD** बिमारियों, **HIV/AIDS** की जानकारी देकर सुरक्षित यौन संबंध हेतु प्रेरित करना।

संस्थान की उपलब्धियाँ

- संस्थान द्वारा अब तक 24 गाँवों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया तथा कुल 70253 ग्रामवासियों की स्वास्थ्य जाँच कर दवा वितरित की गयी। (मई 2014 से)
- संस्थान द्वारा इस सत्र में 16736 ग्रामवासियों का ईलाज किया गया जिससे 11879 महिला मरीज हैं।
- संस्थान द्वार **HMMS** कार्यक्रम के अन्तर्गत 12 राष्ट्रीय एव अन्तर्राष्ट्रीय दिवस तथा 362 स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बैठकों तथा रैलियों का आयोजन किया गया।
- टीम द्वारा घर भ्रमण कर कार्यक्रम का लाभ अधिकाधिक महिला तथा बच्चों को पहुँचाया गया।
- संस्थान द्वारा 2500 स्वयं सहायता समूह का गठन तथा 1700 समूहों को बैंक से जोड़ा गया है।

- ❖ महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को 2 करोड़ प्रति माह ऋण उपलब्ध करवाया जाता है तथा संस्थान द्वारा **100%** रिकवरी भी करवायी गयी है।
- ❖ संस्थान द्वारा भिनाय में 4 किसान उत्पादक संगठन बनाकर 4000 किसानों को जोड़ा गया है।
- ❖ किसानों की मासिक बैठक का आयोजन कर तकनीकी संबंधी जानकारी को बढ़ाया जाता है।
- ❖ संस्थान द्वारा नागौर जिले में 5 कम्पनियाँ बनाकर 5000 किसानों को जोड़कर बाजार तक सीधी पहुँच बनायी जा रही है।
- ❖ संस्थान द्वारा **TI** कार्यक्रम चित्तौड़गढ़ के अन्तर्गत 179 स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर 8857 लोगों का पंजीकरण किया गया।
- ❖ परामर्शकर्त्ता द्वारा 5738 को परामर्श दिया गया।
- ❖ 4101 लोगों को रेफर किया गया जिसमें से 3146 **HIV** का टेस्ट किया गया।
- ❖ 48 नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को **HIV/AIDS** व टी.बी. के प्रति जागरूक किया गया।
- ❖ संस्थान द्वारा 11 किसान क्लबों का संचालन भी किया जा रहा है।
- ❖ संस्थान द्वारा कोरो संस्थान के साथ जुड़कर समाज की सामाजिक कुरीतियों जैसे :– बाल विवाह, बालिका शिक्षा, मृत्युभोज, रूढ़ीवादी परम्परा, अन्धविश्वास जैसे मुद्दों पर कार्य कर रही है।
- ❖ संस्थान में बाहरी संस्थाओं द्वारा भ्रमण किया जाता है जिससे संस्थान परिवार को काफी कुछ सिखने को मिलता है तथा कार्यों का मूल्याकंन भी हो जाता है।

ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS) को जिला–राज्य–अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर मान सम्मान

- ❖ अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा 01 मई 2018 को शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण के क्षेत्र में प्रशंसनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु कर्म श्री अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- ❖ द् इंसटिट्यूट ऑफ ग्लोबल ब्रदरहुड के द्वारा 17 नवम्बर, 2017 को असामान्य उपलब्धियों और विशिष्ट व उत्कृष्ट कार्य करने हेतु स्पार्कलिंग इण्डियन अवार्ड व इण्डियन ग्लोबल गोल्डन अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- ❖ पुष्कर फेयर डवलपमेन्ट समिति के द्वारा 04 नवम्बर 2017 को पुष्कर मेले में पाँच दिवसीय विकास प्रदर्शनी में प्रथम स्थान आने पर प्रथम पद अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- ❖ जिला परिषद् अजमेर के द्वारा 15 अगस्त 2017 को शिक्षा, स्वास्थ्य महिला सशक्तिकरण व जल संरक्षण के क्षेत्र में बेहतर उपलब्धियों और सेवाओं हेतु प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया।
- ❖ राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा 12 जुलाई 2017 को स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रथम पद पर स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- ❖ फ्रेन्डशिप फॉरम के द्वारा दिनांक 14 मई 2017 को असामान्य उपलब्धियों हेतु मदर टेरेसा ग्लोबल अवार्ड व राइजिंग सन ऑफ इण्डिया अवार्ड से सम्मानित किया गया।
- ❖ एक्सेज डवलपमेंट सर्विसेज, एक्सेज असिस्ट और एच.एस.बी.सी. इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा 8 दिसम्बर 2015 में स्वयं सहायता समूह की लघुवित्त के क्षेत्र में योगदान हेतु माईक्रो फाईनेन्स इण्डिया अवार्ड व एक लाख रूपये नगद देकर सम्मानित किया।
- ❖ फ्रेंडशिप फॉरम व ग्लोबल ब्रदरहुड फॉरम के द्वारा दिनांक 30 व 28 अगस्त 2016 को शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में असामान्य उपलब्धियों हेतु भारत निर्माण व ग्लोबल अवार्ड से सम्मानित।
- ❖ फ्रेन्डशिप फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 9 जून 2016 में सामाजिक विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु राष्ट्रीय स्तरीय बेस्ट गॉल्डन पर्सन्लटी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- ❖ फ्रेन्डशिप फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 25 अप्रैल 2016 में शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण के क्षेत्र में प्रशंसनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु भारत एक्सीलेन्स पुरस्कार व मेडल से सम्मानित।
- ❖ अर्न्तराष्ट्रीय शिक्षा व प्रबन्धन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 6 अप्रैल 2016 को शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हेतु राष्ट्रीय स्तरीय ज्वेल ऑफ इण्डिया पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र के द्वारा सम्मानित।
- ❖ नाबार्ड, जयपुर द्वारा 9 मार्च 2016 में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए राज्य स्तरीय स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से नवाजा।
- ❖ फाउन्डेशन फॉर एक्सिलरेटेड मास एमपॉवरमेन्ट द्वारा 13 दिसम्बर 2015 में राष्ट्रीय आर्थिक व सामाजिक विकास में सराहनीय योगदान देने हेतु फेम एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मानित।
- ❖ इकोनोमिक डवलपमेन्ट फॉरम के द्वारा 10 सितम्बर 2015 में शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक सेवा क्षेत्र में सराहनीय उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित।

- ❖ अलमा, यूनाइटेड किंगडम द्वारा 22 फरवरी 2015 में महिला साक्षरता, बालश्रमिक अधिकार, स्वास्थ्य व महिला सशक्तिकरण के द्वारा सामाजिक व आर्थिक श्रेत्र में असीम योगदान देने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मानित।
- ❖ फाउन्डेशन फॉर एक्सिलरेटेड कम्यूनिटी एमपॉवरमेन्ट, नई दिल्ली द्वारा 28 अप्रैल 2014 में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, सामाजिक विकास और एस.एच.जी. लोन व बैंक लिंकेज में सराहनीय योगदान के लिए राष्ट्रीय जन सेवा अवार्ड से सम्मान प्राप्त।
- ❖ उपखण्ड किशनगढ़ एरिया, अजमेर के द्वारा 15 अगस्त 2013 में शिक्षा, स्वास्थ्य व जल संरक्षण योजना में बेहतर कार्य प्रस्तुत करने के लिए स्वतंत्रता दिवस पर जिला स्तरीय प्रशंसा प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित।
- ❖ आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, मुम्बई से 25 मई 2013 में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज व ऋण उपलब्ध कार्यान्वयन निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान एवं प्रशंसनीय उपलब्धियों हेतु प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित।
- ❖ इकोनोमिक डवलपमेन्ट फॉरम, नई दिल्ली द्वारा 11 अप्रैल 2013 में महिला सशक्तिकरण व आजीविका गतिविधि द्वारा सामाजिक सेवा का कार्य करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर ग्लोबल अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित।
- ❖ जिला कलक्टर, अजमेर द्वारा 26 जनवरी गणतंत्र दिवस 2013 में शिक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबन्धन, बाल अधिकार, महिला सशक्तिकरण एवं लघुवित्त पर राजस्थान में प्रशंसापूर्ण कार्य कर सामाजिकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित।
- ❖ नाबार्ड, जयपुर द्वारा 27 अप्रैल 2012 में राजस्थान में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु गैर सरकारी संगठन–एस.बी. लिंकेट वर्ग में राज्य स्तरीय प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया।
- ❖ नाबार्ड, जयपुर के द्वारा 27 अप्रैल 2012 में राजस्थान में स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु राज्य स्तरीय क्रेडिट लिंकेज वर्ग में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित।
- ❖ ग्लोबल अचीवर्स फाउन्डेशन, नई दिल्ली के द्वारा 20 अप्रैल 2012 को शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण में बेहतर उपलब्धियों और सेवाओं हेतु एक्सीलेन्स अवार्ड फॉर नेशनल सोशल एक्टीविटी से सम्मानित।
- ❖ इण्डिया इन्टरनेशनल फ्रेन्डशिप सोसायटी, नई दिल्ली से 29 अगस्त 2012 में बालश्रम उन्मूलन, पर्यावरण व स्वास्थ्य आदि के क्षेत्र में सेवाओं हेतु राष्ट्रीय स्तरीय राजीव गाँधी एक्सीलेन्स अवार्ड से सम्मान प्राप्त।
- ❖ इन्टीग्रेटेड काउन्सिल फॉर सोशियोइकोनोमिक प्रोग्रेस, बेंगलोर द्वारा 25 नवम्बर 2012 में शिक्षा, स्वास्थ्य व आजिविका संवर्धन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रशंसनीय सेवा व सर्वश्रेष्ठ कार्य हेतु राष्ट्रीय स्तरीय मदर टेरेसा अवार्ड से सम्मानित।
- ❖ फॉरेस्ट डिपार्टमेन्ट अजमेर के द्वारा 29 अप्रैल 2010 में वन विकास व वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने के लिए जिला स्तरीय फॉरेस्ट डवलपमेन्ट एण्ड प्रोटेक्शन पुरस्कार व पाँच सौ रूपये नगद से सम्मान प्राप्त किया।
- ❖ नेहरू युवा केन्द्र, अजमेर द्वारा 12 जनवरी 1997 को राष्ट्रीय युवा दिवस पर ग्रामीण विकास हेतु जिला स्तरीय प्रशंसा पत्र व 500 सौ रूपये नगद सम्मानित।

GMVS

सहयोगी संस्थाएँ

1. द् हंस फाउण्डेशन, नई दिल्ली।
2. नाबार्ड, जयपुर।
3. सेन्टर फॉर माईक्रो फाईनेन्स, जयपुर।
4. अरावली–जयपुर।
5. चोलामण्डल–तमिलनाडु (चेन्नई) ।
6. साईट सेवर, नई दिल्ली।
7. मिनाक्षी मिशन हॉस्पिटल और रिसर्च सेन्टर (विटामिन ऐन्जल)–तमिलनाडु
8. सर रतन टाटा ट्रस्ट–मुम्बई।
9. राजस्थान स्टेट एड्स कट्रोल सोसायटी, जयपुर
10. आई.सी.आई.सी.आई. बैंक, जयपुर
11. एच.एल.एल. लाईफ केयर लिमिटेड–नोयडा
12. केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, जयपुर
13. कोरो हेल्थ साक्षरता समिति, मुम्बई
14. राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर
15. टाटा ए.आई.ए. सी.एस.आर.

संस्थान की वर्तमान कार्यकारिणी

क्र.सं.	पदाधिकारी का नाम	पद
1.	श्री अनिल कुमार माथुर	अध्यक्ष
2.	श्री अनिरूद्ध विजयवर्गीय	उपाध्यक्ष
3.	श्री शंकर सिंह रावत	सचिव
4.	श्री शम्भू सिंह रावत	कोषाध्यक्ष
5.	श्री मनोज शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य
6.	श्रीमती रतना देवी	कार्यकारिणी सदस्य
7.	श्री ब्रिजेश कुमार अग्रवाल	कार्यकारिणी सदस्य
8.	श्रीमती स्वाति शर्मा	कार्यकारिणी सदस्य
9.	श्रीमती कविता जैन	कार्यकारिणी सदस्य

GRAMIN MAHILA VIKAS SANSTHAN (GMVS)
AJMER (RAJ.)

Organizational Structure

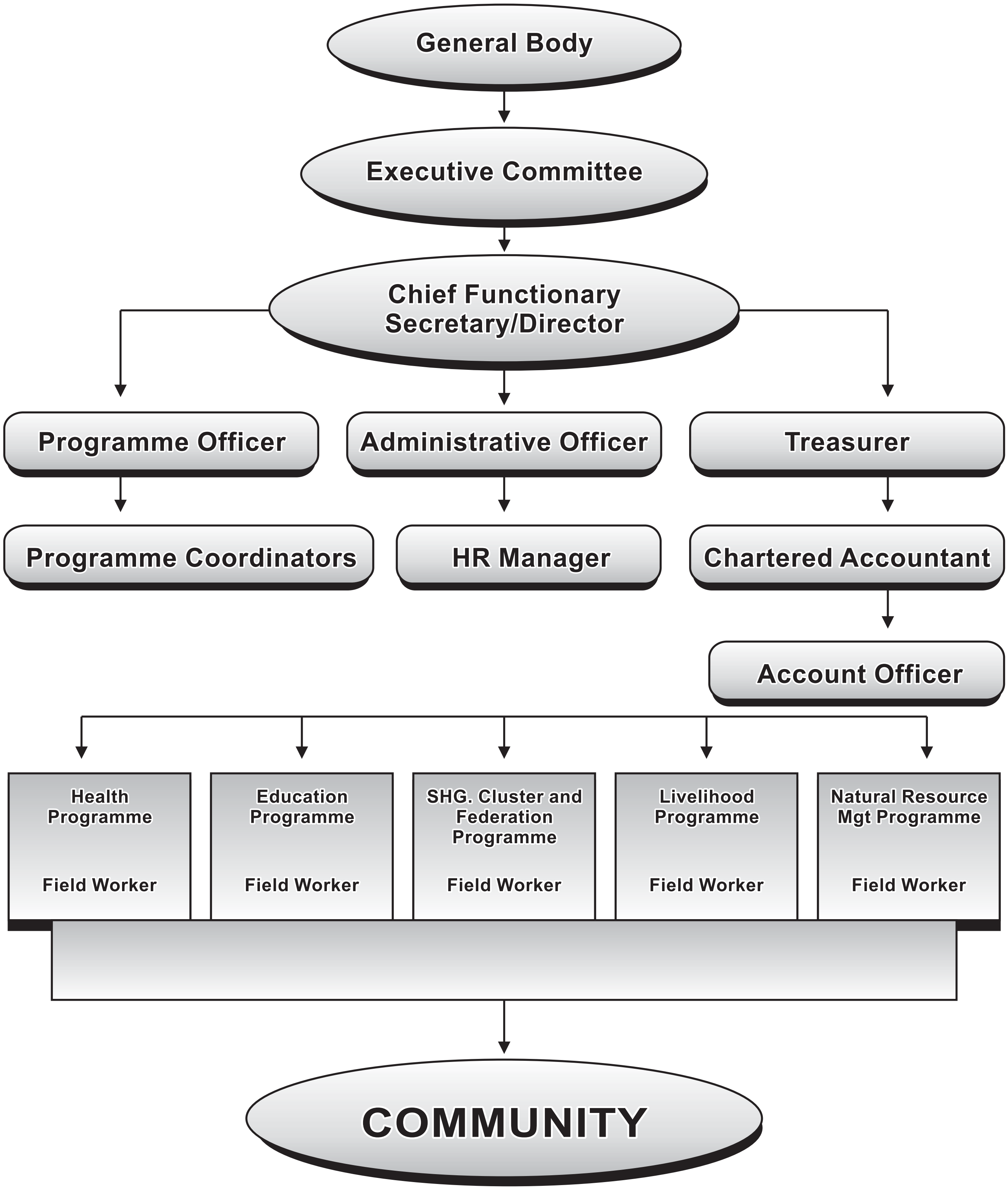

GMVS

Gramin Mahila Vikas Sansthan

ABRIDGED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDING 31/03/2018

EXPENDITURE	AMOUNT ₹	INCOME	AMOUNT ₹
To Project Expences:	1,48,76,754	By Grant -Received :-	15330800
To Administrative Expenses	18,71,997	By Interest	26672
		By Contribution & Other Income	1280602
		By Excess of Exp. Over Income	110677
Total	1,67,48,751	Total	1,67,48,751

In terms of our Audit Report even date attached.

For S S Verma & Co
Chartered Accountants

(S. S. Verma)
Prop.

Jaipur
September 03, 2018

For Gramin Mahila Vikas Sansthan

(Shankar Singh Rawat)
Secretary

सचिव
ग्रामीण महिला विकास संस्थान
बूबानी, किशनगढ़
जिला–अजमेर (राज.)

ABRIDGED BALANCE SHEET AS AT 31/03/2018

	LIABILITIES	AMOUNT ₹		ASSETS	AMOUNT ₹
	General Fund	25,35,684		Fixed Assets	14,59,442
				Grant Receivable	9,94,986
	Current Liabilities	2,56,666			
				Cash in Hand	8,202
				Cash at Bank	3,29,900
	Total	27,92,350		Total	27,92,530

In terms of our Audit Report even date attached.

For S S Verma & Co
Chartered Accountants

(S. S. Verma)
Prop.

Jaipur
September 03, 2018

For Gramin Mahila Vikas Sansthan

(Shankar Singh Rawat)
Secretary

सचिव
ग्रामीण महिला विकास संस्थान
बूबानी, किशनगढ़
जिला–अजमेर (राज.)

झलकियाँ

दैनिक भास्कर अजमेर, बुधवार, 2 मई, 2012 14

महिला विकास संस्थान को तीसरी बार राज्य पुरस्कार

भास्कर न्यूज | मदनगंज-किशनगढ़

ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी को इस वर्ष लगातार तीसरी बार राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इससे इस संस्था में काम करने वाले कर्मचारियों के हौसले बुलंदियों पर है। संस्थान के सचिव शंकर सिंह रावत ने बताया कि महिला सशक्तिकरण पर विभिन्न कार्य करने के लिए व राजस्थान में वर्ष 2010-2011 में बैंक लोन दिलाने में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके लिए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक जयपुर के द्वारा ग्रामीण महिला विकास संस्थान को गैर सरकारी संगठन क्रेडिट लिंकेज वर्ग में द्वि... दिया गया। यह पुरस्कार... मुख्य महाप्रबंधक जीजी म... एस वी वी जे महाप्रबंधक... ने यह पुरस्कार संस्था के सचिव... तथा अन्य पदाधिकारियों को दिया। संस्थान के पदा... कि इस बार यह... पर एक बार तथा... बार सम्मानि...

दैनिक भास्कर किशनगढ़

500 से ज्यादा गांवों में काम, 1 लाख से ज्यादा परिवारों को रोजगार, बीमारियां खत्म करने के लिए घर-घर

राजस्थान पत्रिका अजमेर. गुरुवार 03.05.2012

द्वितीय पुरस्कार मिला

मदनगंज-किशनगढ़. ग्रामीण महिला विकास संस्थान को नाबार्ड की ओर से द्वितीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महिला स्वयं सहायता समूह को लोन दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने पर जयपुर में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार संस्था सचिव शंकरसिंह रावत को सौंपा गया। इस दौरान संस्था ... माथुर, गजानन्द ... द थे।

राजस्थान पत्रिका

शंकरसिंह रावत सम्मानित

मदनगंज-किशनगढ़, 28 अप्रैल ... में सबसे अधिक ... लिंकेज में प्रथम ... पर ग्रामीण ... विकास संस्थान ... को सम्मानित ... गया। राष्ट्रीय कृ... ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के महाप्रबंधक शिवकुमार ने संस्थान ... शंकरसिंह रावत को स्मृति चिन्ह व प्र... गया।

किशनगढ़

बच्चों को कृमिनाशक व विटामिन ए की पिलाई खुराक

मदनगंज-किशनगढ़। ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी की ओर से ग्राम सराना में महिला जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समन्वयक किरनजीत कौर ने महिला... कृमिनाशक दवा तथा विटामिन ए की ... आवश्यकता के बारे में बताया तथा ... के लिए प्रेरित किया। टीम ने 36 बच्चों ... तथा 38 बच्चों को विटामिन ए की ... शिविर में 71 मरीज की चिकित्सा ...

दैनिक नवज्योति अजमेर, शनिवार, 24 जून 2017

महिलाओं को कराया योगाभ्यास

न्यूज सर्विस/नवज्योति, श्रीनगर

दैनिक भास्कर अजमेर, मंगलवार 16 जनवरी, 2018 | 4

महिला स्वयं सहायता समूह का प्रशिक्षण शिविर शुरू

ग्रामीण महिला विकास संस्थान को प्रथम पुरस्कार

... देश के 25 राज्यों के 100 ... में प्रोजेक्ट ई शक्ति शुरू किया है। जिले में संस्थान की ओर से संचालित 2500 महिला स्वयं सहायता समूहों के आंकड़ों का डिजिटलाइजेशन किया ... इस अवसर पर संस्थान के अनिल कुमार माथुर, सचिव शंकर सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

दैनिक नवज्योति अजमेर, गुरुवार, 13 जुलाई 2017

छोटा परिवार-सुखी परिवार का बताया महत्व

न्यूज सर्विस/नवज्योति, मदनगंज-किशनगढ़

द हंस फाउंडेशन नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी द्वारा श्रीनगर पंचायत समिति के 12 गांवों में मोबाइल मेडिकल सर्विसेज द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। संस्थान की स्वास्थ्य टीम द्वारा सराना में जागरूकता रैली निकाली गई। परियोजना अधिकारी किरणजीत कौर ने ... विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनसंख्या विस्फोट के प्रति जागरूक ... परिवार नियोजन कैम्प के अलावा स्वास्थ्य टीम के ... अब्दुल मलिक व नर्स कंचन पारीक द्वारा जागरूकता बैठक में ... वृद्धि से होने वाले नुकसान के बारे में महिलाओं को जानकारी ... संस्थान के सचिव शंकरसिंह रावत ने सराना के लोगों को छोटा परिवार सुखी परिवार के नारे का महत्व समझाया गया। ... मेडिकल सर्विसेज के बारे में भी जानकारी दी गई।

दैनिक नवज्योति 28 अप्रैल, 2012 - रविवार

राज्य स्तरीय पुरस्कार

मदनगंज-किशनगढ़. ग्रामीण विकास बैंक की ओर से जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय स्वयं सहायता समूह पुरस्कार वितरण समारोह में ग्रामीण महिला विकास संस्थान बूबानी को सम्मानित किया गया। संस्थान को वर्ष 2010-2011 में ... बैंक से लोन दिलाने के लिए ... सम्मानित किया गया। समारोह के ... जीजी मेमन ने संस्थान के ... शंकर सिंह रावत को स्मृति चिन्ह व प्रमाण ... सक्सेना आदि मौजूद थे।

आईसीआईसीआई बैंक द्वारा स्वयं सहायता समूह बैंक लिंकेज कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक भास्कर

तम्बाकू सेवन के बताए दुष्परिणाम

... शाखरी में कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक नवज्योति

रैली निकालकर ग्रामीणों को चेताया

दैनिक नवज्योति अजमेर, सोमवार, 7 मई 2018

टीम ने दौरा कर कार्यों का लिया जायजा

... स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। फाउंडेशन के डिप्टी प्रोग्राम मैनेजर कावेरी दीक्षित ने रविवार को ग्राम कालेड़ी, मानपुरा ... हाथीपट्टा का दौरा कर कार्यों का मूल्यांकन किया। टीम ने आंगनवाड़ी केन्द्रों ...

दैनिक नवज्योति

तीसरे दिन भी पिलाई खुराक

, 2012 ▪ बुधवार

महिला विकास संस्थान बूबानी को द्वितीय पुरस्कार

मदनगंज-किशनगढ़। ग्रामीण महिला विकास संस्थान ... सरकारी संगठन क्रेडिट लिंकेज वर्ग में द्वितीय पुरस्कार ... राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा ... स्वयं सहायता समूह पुरस्कार वितरण समारोह में संस्था ... के दौरान राजस्थान में स्वयं सहायता समूह बैंक ... अन्तर्गत उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए गैर सरकारी संग... पुरस्कार दिया गया। एसबीबीजे के एमडी ... जिजि मामेन ने संस्था सचिव शंकरसिंह ... चिह्न व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

दैनिक भास्कर अजमेर, गुरुवार 22 फरवरी, 2018

दैनिक नवज्योति अजमेर, गुरुवार, 22 फरवरी 2018

ई-शक्ति बुक भरने की प्रक्रिया बताई

राजस्थान पत्रिका अजमेर . रविवार 11.02.2018

बच्चों को पिलाई दवा

मदनगंज-किशनगढ़. ग्रामीण महिला विकास संस्थान की ओर से गांव सराणा में महिला जागरूकता बैठक आयोजित की गई। परियोजना समन्वयक किरनजीत कौर ने कृमिनाशक दवा तथा विटामिन ए की खुराक पिलाने की आवश्यकता के बारे में बताया। टीम की ओर से 36 बच्चों को कृमिनाशक तथा 38 बच्चों को विटामिन ए की खुराक पिलाई गई। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर में 71 मरीजों की चिकित्सा जांच कर दवा वितरण किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कार्यकर्ता कृष्णा कंवर, रेखानाथ, देवेंद्र सिंह तथा महिलाएं शामिल हुई।

rajasthanpatrika.com

राजस्थान पत्रिका . अजमेर . गुरुवार . 22.02.2018

राजस्थान पत्रिका . अजमेर . मंगलवार . 16.01.2018

दिया प्रशिक्षण

दैनिक नवज्योति

परियोजना

सेवाओं की ओर बढ़ते कदम ....

GMVS

सेवाओं की ओर बढ़ते कदम ....

सेवाओं की ओर बढ़ते कदम ....

सेवाओं की ओर बढ़ते कदम ....

GMVS

सेवाओं की ओर बढ़ते कदम ....

GMVS

सेवाओं की ओर बढ़ते कदम ....

विकास की ओर बढ़ते कदम ...

विकास की ओर बढ़ते हुये कदम ...

ग्रामीण महिला विकास संस्थान (GMVS)

मुख्य कार्यालय

पटाखा फैक्ट्री के पास
राजारेडी (सुमेर नगर)
मदनगंज–किशनगढ़–305801
जिला–अजमेर (राज.)
फोन : +91–1463–245642
मोबाईल : +91–9672979032
ई–मेल : bubanigmvs@gmail.com
Visit us : www.gmvs.ngo

पंजीयन कार्यालय

मु.पो. बूबानी
वाया–गगवाना 305023
जिला–अजमेर (राज.) भारत
मोबाईल : +91–9079207103
ई–मेल :
gmvsajmer@gmail.com

क्षेत्रीय कार्यालय

125, भगतसिंह पार्क,
सामुदायिक भवन के पास,
चित्तौड़गढ़ (राज.) भारत
मो.: +91–9929259050
9829133882
ई–मेल :
gmvschittorgarh@gmail.com

क्षेत्रीय कार्यालय

किसान चौराहा
शेखपुरा रोड़
ग्राम – थाँवला
जिला – नागौर – 305026
मोबाईल : +91–9672979038